प्रकाशित-वाक्य

1 ई यीशु मसीह द्वारा प्रगट कयल
बात अछि। ई हुनका परमेश्वर
द्वारा देखाओल गेलनि, जाहि सँ ओ अपन
सेवक सभ केँ ओ घटना सभ देखबथि
जे जल्दी होमऽ वला अछि। यीशु मसीह
अपन स्वर्गदूत पठा कऽ अपन सेवक
यूहन्ना केँ एहि बात सभक जानकारी
देलनि, 2 और यूहन्ना जे किछु देखलनि,
अर्थात्, परमेश्वरक वचन आ यीशु मसीह
जे गवाही देलनि, से सभ बात एहि पुस्तक
मे लिखलनि।

3 धन्य अछि ओ जे एहि भविष्यवाणी
केँ पढ़ैत अछि, आ धन्य अछि ओ सभ
जे एकरा सुनैत अछि और एहि मे लिखल
बात सभक पालन करैत अछि, किएक तँ
ओ समय लगचिआ गेल अछि जहिया ई
घटना सभ होयत।

4-5 आसिया प्रदेशक सातो मसीही
मण्डली केँ यूहन्नाक ई पत्र—

ओ जे छथि, जे छलाह आ जे आबहो
वला समय मे रहताह, से, आ हुनका
सिंहासनक समक्ष उपस्थित रहऽ वला
सात आत्मा आ यीशु मसीह, से, अहाँ
सभ पर कृपा करथि आ शान्ति देथि।
यीशु मसीह विश्वसनीय गवाह छथि,
मुइल सभ मे सँ पहिल जीबि उठऽ वला
छथि आ पृथ्वीक राजा सभक उपर
शासन करऽ वला छथि। ओ जे अपना
सभ सँ प्रेम करैत छथि, जे अपन खून
द्वारा अपना सभ केँ पाप सँ मुक्त कऽ
देने छथि, 6 ओ जे अपना सभ केँ अपन
राज्य बनौने छथि और अपन पिता
परमेश्वरक सेवा करबाक लेल पुरोहित
बनौने छथि—तिनकर युगानुयुग स्तुति आ
सामर्थ्य होइत रहनि। आमीन।

7 देखू, ओ मेघ सभक संग आबऽ वला
छथि। हुनका सभ लोक अपना आँखि
सँ देखतनि, ओहो सभ देखतनि जे सभ
हुनका भाला सँ भोंकने छलनि। पृथ्वी
परक समस्त जातिक लोक हुनका कारण
कन्ना-रोहटि करत। ई सभ बात निश्चित
होयत। आमीन।

8 प्रभु परमेश्वर कहैत छथि जे, "शुरुआत
और अन्त* हमहीं छी। हम वैह छी, जे
छथि, जे छलाह, जे आबहो वला समय मे
रहताह—वैह, जे सर्वशक्तिमान छथि।"

प्रभु यीशु मसीहक दर्शन

9 हम यूहन्ना, जे अहाँ सभक भाय छी,
अहाँ सभक संग ओहि कष्ट, राज्य आ

1:8 मूल मे "अल्फा और ओमेगा" जे यूनानी वर्णमाला मे पहिल और अन्तिम अक्षर अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सहनशीलता मे सहभागी छी जे यीशुक लोक होयबाक कारणेँ अपना सभ केँ होइत अछि। हम परमेश्वरक वचनक प्रचार करबाक कारणेँ आ यीशुक सम्बन्ध मे गवाही देबाक कारणेँ पतमुस द्वीप मे बन्दी छलहुँ। 10"प्रभुक दिन" मे* हमरा प्रभुक आत्मा अपना नियन्त्रण मे लेलनि, और हम अपना पाछाँ धुतहूक आवाज जकाँ किनको आवाज जोर सँ ई कहैत सुनलहुँ जे, 11"जे किछु तोँ देखबह तकरा पुस्तक मे लिखिहह आ ओकरा इफिसुस, स्मुरना, पिरगमुन, थूआतीरा, सरदीस, फिलादेलफिया आ लौदीकिया समेत एहि सातो शहरक मण्डली केँ पठा दिहक।"

12हमरा ई के कहि रहल छथि तिनका देखबाक लेल हम घुमलहुँ आ घूमि कऽ हम दीप राखऽ वला सातटा सोनाक लाबनि देखलहुँ। 13ओहि लाबनिक बीच केओ ठाढ़ छलाह जे मनुष्य-पुत्र जकाँ लगैत छलाह। ओ पयर धरि लम्बा वस्त्र पहिरने छलाह और अपन छाती पर सोनाक चौड़ा पट्टी बन्हने छलाह। 14हुनकर माथक केश ऊन वा बर्फ सन उज्जर छलनि, आ हुनकर आँखि आगि जकाँ धधकि रहल छलनि। 15हुनकर पयर आगि मे धिपाओल पित्तरि जकाँ चमकि रहल छलनि आ हुनकर बजनाइ समुद्रक गरजनाइ जकाँ सुनाइ दैत छल। 16हुनका दहिना हाथ मे सातटा तारा छलनि आ हुनका मुँह सँ एक तेज दूधारी तरुआरि निकलि रहल छलनि। हुनकर चेहरा दुपहरक सूर्य जकाँ चमकैत छलनि।

17हुनका देखिते हम मरल जकाँ हुनका चरण पर खसि पड़लहुँ। तखन ओ अपन दहिना हाथ हमरा पर रखलनि आ कहलनि जे, "नहि डेराह, हम पहिल आ अन्तिम छी। 18हम वैह छी जे जीवित छथि। हम मरि गेल छलहुँ, मुदा देखह, हम आब युगानुयुग जीवित छी! मृत्यु आ पातालक कुंजी* हमरा लग अछि। 19एहि लेल, जे बात सभ तोँ देखलह, अर्थात्, जे बात सभ भऽ रहल अछि आ जे बात सभ एकर बाद मे होमऽ वला अछि, तकरा लिखि लैह। 20तोँ जे सातटा तारा हमरा दहिना हाथ मे देखलह तकर, आ एतऽ जे सोनाक सातटा लाबनि अछि, तकर रहस्य ई अछि—सातटा तारा सातो मण्डलीक दूत सभ* अछि आ ई सातटा लाबनि सातटा मण्डली अछि।

अइफिसुस शहरक मण्डलीक लेल सम्बाद

2 "इफिसुसक मण्डलीक दूत* केँ ई लिखह,

ओ जे अपन दहिना हाथ मे सातो तारा धयने छथि आ दीप राखऽ वला सोनाक सातो लाबनिक बीच चलैत-फिरैत छथि से ई कहैत छथि— 2हम अहाँक काज सभ सँ, अहाँक परिश्रम आ अहाँक सहनशीलता सँ परिचित छी। हम जनैत छी जे अहाँ दुष्ट लोक सभ केँ बरदास्त नहि करैत छी। जे सभ अपना केँ मसीह-दूत कहैत अछि मुदा अछि नहि, तकरा सभ केँ

1:10 अर्थात् सप्ताहक पहिल दिन मे (रबि) **1:18** मूल मे, "मृत्यु आ 'हेडीस'क कुंजी", अर्थात्, "मृत्यु आ मरल सभक वास-स्थानक कुंजी" **1:20** वा, "मण्डलीक स्वर्गदूत सभ" **2:1** वा, "मण्डलीक स्वर्गदूत"। तहिना पद 8, 12 और 18 मे सेहो।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अहाँ जाँच कयने छी आ झुट्ठा पौने छी। 3अहाँ सभ धैर्य रखने छी, हमरा नामक कारणेँ कष्ट सहने छी आ निराश नहि भेलहुँ।

4मुदा हमरा अहाँक विरोध मे ई कहबाक अछि जे अहाँ अपन पहिलुका प्रेम छोड़ि देने छी। 5एहि लेल मोन राखू जे कतेक ऊँच स्थान सँ अहाँ खसल छी। आब अहाँ अपना पापक लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन करू आ पहिने जकाँ अपन आचरण राखू। जँ से नहि करब तँ हम आबि कऽ अहाँक लाबनि अपन स्थान पर सँ हटा देब। 6तैयो एतेक अवश्य अछि जे हमरे जकाँ अहूँ निकोलायी पंथक* लोक सभक काज सभ सँ घृणा करैत छी।

7जकरा सभ केँ कान होइक, से सभ सुनि लओ जे प्रभुक आत्मा मण्डली सभ केँ की कहैत छथि। जे सभ विजय प्राप्त करत तकरा सभ केँ हम परमेश्वरक स्वर्ग-बगीचा मेहक जीवनक गाछक फल खयबाक अधिकार देबैक।

स्मुरना शहरक मण्डलीक लेल सम्बाद

8“स्मुरनाक मण्डलीक दूत केँ ई लिखह,

जे पहिल आ अन्तिम छथि, जे मरि गेल छलाह आ आब जीबि उठल छथि से ई कहैत छथि— 9हम अहाँक कष्ट आ गरीबी सँ परिचित छी। मुदा वास्तव मे अहाँ धनवान छी! और हम इहो जनैत छी जे, ओ सभ जे यहूदी भऽ कऽ अपना केँ परमेश्वरक लोक कहैत अछि, मुदा अछि नहि, से सभ अहाँक कतेक बदनामी करैत अछि। ओ सभ शैतानक समूह अछि। 10आबऽ वला समय मे अहाँ जे कष्ट सहऽ वला छी, ताहि सँ नहि डेराउ। देखू, शैतान अहाँ सभ केँ जँचबाक लेल अहाँ सभ मे सँ कतेको गोटे केँ जहल मे राखि देत। एहि तरहेँ अहाँ सभ केँ दस दिन तक कष्ट भोगऽ पड़त। प्राणो देबऽ पड़य, ताहि समय तक विश्वास मे स्थिर रहू, तखन हम अहाँ सभ केँ जीवनक मुकुट प्रदान करब।

11जकरा सभ केँ कान होइक, से सभ सुनि लओ जे प्रभुक आत्मा मण्डली सभ केँ की कहैत छथि। जे सभ विजय प्राप्त करत तकरा सभ केँ दोसर मृत्यु सँ कोनो हानि नहि होयतैक।

पिरगमुन शहरक मण्डलीक लेल सम्बाद

12“पिरगमुनक मण्डलीक दूत केँ ई लिखह,

जिनका लग तेज दूधारी तरुआरि छनि, से ई कहैत छथि— 13हम ई जनैत छी जे अहाँ ओतऽ रहैत छी जतऽ शैतानक सिंहासन अछि। तैयो अहाँ सभ हमरा नाम पर स्थिर छी आ अहाँ सभ ओहू समय मे हमरा पर विश्वास कयनाइ नहि छोड़लहुँ जहिया

2:6 निकोलायी पंथ झुट्ठा-शिक्षा वला पंथ छल जाहि मे ई सिद्धान्त छल जे मसीही स्वतन्त्रता विश्वासी केँ मूर्तिपूजा आ अनैतिक सम्बन्ध मे भाग लेबाक छूट दैत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

अन्तिपास, हमर विश्वस्त गवाह अहाँ सभक शहर जे शैतानक निवास स्थान अछि, ततऽ मारल गेलाह।

14 मुदा हमरा अहाँक विरोध मे किछु बात सभ कहबाक अछि, किएक तँ अहाँ सभ मे किछु एहन लोक अछि जे बिलामक शिक्षा कैं मानैत अछि। बिलाम तँ प्राचीन समय मे राजा बालाक कैं सिखौलक जे इस्राएली सभ कैं फुसलाउ जाहि सँ ओ सभ मूर्ति सभ पर चढ़ाओल गेल वस्तु सभ खा कऽ आ एक-दोसराक संग अनैतिक शारीरिक सम्बन्ध राखि कऽ पाप मे फँसि जाय।* **15** एहि तरहेँ अहूँ सभ मे किछु एहन लोक अछि जे सभ निकोलायी पंथक* शिक्षा कैं मानैत अछि। **16** एहि लेल अपना पापक लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन करू! नहि तँ हम जल्दी अहाँ सभक ओतऽ आयब आ अपन मुँहक तरुआरि सँ ओकरा सभ सँ युद्ध करबैक।

17 जकरा सभ कैं कान होइक से सभ सुनि लओ जे प्रभुक आत्मा मण्डली सभ कैं की कहैत छथि। जे सभ विजय प्राप्त करत तकरा सभ कैं हम ओहि विशेष रोटी* मे सँ खुअयबैक जे एखन नुकाओल अछि। ओकरा सभ मे सँ प्रत्येक गोटे कैं हम एक उज्जर पाथर सेहो देबैक जाहि पर एक नव नाम लिखल रहतैक जकरा पाबऽ वला कैं छोड़ि आरो केओ नहि जानि पाओत।

थूआतीरा शहरक मण्डलीक लेल सम्बाद

18 "थूआतीराक मण्डलीक दूत कैं ई लिखह,

परमेश्वरक पुत्र, जिनकर आँखि आगि सन धधकैत छनि आ जिनकर पयर सुन्दर पित्तरि जकाँ चमकैत छनि, से ई कहैत छथि— **19** हम अहाँक काज सभ, अहाँक प्रेम आ विश्वास, अहाँक सेवा आ धैर्य कैं जनैत छी। हम इहो जनैत छी, जे अहाँ शुरू मे जतेक करैत छलहुँ, ताहि सँ बेसी एखन करैत छी।

20 मुदा हमरा अहाँक विरोध मे ई कहबाक अछि जे, अहाँ ओहि स्त्री, इजेबेल कैं अपना बीच रहऽ देने छी। ओ अपना कैं परमेश्वर सँ विशेष सम्बाद पौनिहारि कहैत अछि आ अपन शिक्षा द्वारा हमर सेवक सभ कैं दोसराक संग अनैतिक शारीरिक सम्बन्ध रखबाक लेल और मुरुत पर चढ़ाओल गेल वस्तु सभ खयबाक लेल बहकबैत अछि। **21** हम ओकरा अवसर देलिऐक जे ओ अपना कुकर्मक लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन करय आ कुकर्म कैं छोड़य, मुदा ओ नहि चाहैत अछि। **22** तेँ आब हम ओकरा दुःख-बिमारीक ओछायन पर पटकि देबैक आ जे सभ ओकरा संग कुकर्म करैत अछि, से सभ जँ हृदय-परिवर्तन कऽ ओकरा संग कुकर्म कयनाइ नहि

2:14 गनती 25.1-3 आ 31.16 कैं देखू। **2:15** "निकोलायी पंथ"—पद 6 कैं देखू। **2:17** मूल मे, "मन्ना"।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

छोड़त, तँ हम ओकरा सभ पर घोर
विपत्ति आनि देबैक। 23हम ओकर
धिआ-पुता सभ केँ महामारी सँ मारि
देबैक। एहि तरहेँ सभ मण्डली केँ
बुझऽ मे आबि जयतैक जे हृदय आ
मोन केँ थाह पाबऽ वला हमहीं छी,
आ हम अहाँ सभ मे सँ प्रत्येक केँ
ओकर काजक अनुसार प्रतिफल
देबैक। 24मुदा हम थूआतीराक
बाँकी लोक सभ केँ, अर्थात् अहाँ
सभ जे सभ एहि गलत शिक्षा केँ नहि
मानैत छी आ ओहि बात सभ केँ नहि
सिखने छी, जे शैतानक "रहस्यमय
बात" सभ कहबैत अछि, अहाँ
सभ सँ हमर कथन ई अछि—हम
अहाँ सभ पर आरो कोनो भार नहि
राखब— 25मात्र ई जे, जे बात अहाँ
सभ लग अछि, ताहि मे हमरा अयबा
धरि दृढ़ रहू।

26 जे सभ विजय प्राप्त करत
और अन्त धरि हमर इच्छा पूरा
करैत रहत, तकरा सभ केँ हम
तहिना जाति-जातिक लोक सभ पर
अधिकार देबैक, 27जहिना हमरो
अपना पिता सँ अधिकार प्राप्त
भेल अछि। "ओ ओकरा सभ पर
लोहाक राजदण्ड सँ शासन करताह
आ ओकरा सभ केँ कुम्हारक बर्तन
जकाँ चकना-चूर कऽ देताह।" *
28हम ओकरा सभ केँ भोरक तारा
सेहो प्रदान करबैक। 29जकरा सभ
केँ कान होइक से सभ सुनि लओ जे
प्रभुक आत्मा मण्डली सभ केँ की
कहैत छथि।

सरदीस शहरक मण्डलीक लेल सम्बाद

3 "सरदीसक मण्डलीक दूत* केँ ई
लिखह,

जिनका लग परमेश्वरक सात
आत्मा छनि आ जे सातो तारा हाथ
मे धयने छथि से ई कहैत छथि—हम
अहाँक काज सभ सँ परिचित छी।
अहाँ नाम मात्र केँ जीवित छी, मुदा
छी वास्तव मे मरल। 2जागू, आ जे
किछु अहाँ लग बाँचल अछि, तकरा
मजगूत बनाउ, कारण ओहो मरऽ पर
अछि। हम अपन परमेश्वरक दृष्टि मे
अहाँक काज सभ केँ अपूर्ण पौलहुँ।
3स्मरण करू जे अहाँ कोन उपदेश
सुनने छलहुँ आ स्वीकार कयने
छलहुँ। ओकर पालन करू आ अपना
पापक लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-
परिवर्तन करू। जँ अहाँ नहि जागब,
तँ हम चोर जकाँ आबि जायब—अहाँ
केँ बुझहो मे नहि आओत जे हम
कखन अहाँ लग पहुँचि रहल छी।

4 तैयो सरदीस मे अहाँ सभक बीच
किछु एहन व्यक्ति सेहो अछि, जे सभ
अपन वस्त्र गन्दा नहि कयने अछि।
ओ सभ उज्जर वस्त्र पहिरने हमरा
संग टहलत, किएक तँ ओ सभ ताहि
बातक योग्य अछि। 5जे सभ विजय
प्राप्त करत, तकरा सभ केँ एहिना
उज्जर वस्त्र पहिराओल जयतैक।
ओकरा सभक नाम हम जीवनक
पुस्तक मे सँ किन्नहुँ नहि मेटयबैक,
आ अपन पिता और हुनकर स्वर्गदूत

2:27 भजन 2.9 **3:1** वा, "मण्डलीक स्वर्गदूत"। तहिना पद 7 और 14 मे सेहो।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सभक सम्मुख ओकरा सभक नाम लऽ कऽ स्वीकार करब जे ई हमर लोक अछि। 6जकरा सभ कें कान होइक से सभ सुनि लओ जे प्रभुक आत्मा मण्डली सभ कें की कहैत छथि।

फिलादेलफिया शहरक मण्डलीक लेल सम्बाद

7"फिलादेलफियाक मण्डलीक दूत कें ई लिखह,

जे पवित्र आ सत्य छथि, जिनका लग दाऊदक कुंजी छनि—ओ खोलैत छथि तँ केओ बन्द नहि कऽ सकैत अछि, ओ बन्द करैत छथि तँ केओ खोलि नहि सकैत अछि—से ई कहैत छथि— 8हम अहाँक काज सभ सँ परिचित छी। देखू, हम अहाँक सामने एक द्वारि खोलि कऽ रखने छी जकरा केओ बन्द नहि कऽ सकैत अछि। हम जनैत छी जे अहाँ कें बेसी बल नहि अछि, तैयो अहाँ हमर शिक्षाक पालन कयने छी आ एहि बात कें अस्वीकार नहि कयने छी जे अहाँ हमर लोक छी। 9सुनू, हम शैतानक समूहक ओहि सदस्य सभ कें, जे सभ यहूदी भऽ कऽ अपना कें परमेश्वरक लोक कहैत अछि मुदा अछि नहि, जे सभ झूठ बजैत अछि, तकरा सभ कें एहि बातक लेल बाध्य करबैक जे ओ सभ आबि कऽ अहाँक चरण मे खसय आ ई जानि लय जे हम अहाँ सँ प्रेम करैत छी। 10हम जे अहाँ कें सहनशीलताक संग स्थिर रहबाक आदेश देलहुँ, तकर अहाँ पालन कयलहुँ, तें हमहूँ अहाँ कें ओहि विपत्तिक घड़ी मे सुरक्षित राखब* जे पृथ्वीक निवासी सभक परीक्षा लेबाक लेल सम्पूर्ण संसार पर आबऽ वला अछि।

11हम जल्दिए आबऽ वला छी। जे बात अहाँ लग अछि, ताहि पर दृढ़ बनल रहू, जाहि सँ अहाँक मुकुट सँ केओ अहाँ कें वंचित नहि कऽ दय। 12जे सभ विजय प्राप्त करत तकरा सभ कें हम अपन परमेश्वरक मन्दिर मे एक खाम्ह बनयबैक, और ओ सभ ओतऽ सँ फेर कहियो बाहर नहि जायत। हम अपन परमेश्वरक नाम और अपन परमेश्वरक नगरक नाम ओकरा सभ पर लिखबैक, अर्थात् ओहि नव यरूशलेमक नाम जे हमर परमेश्वरक ओतऽ सँ स्वर्ग सँ उतरऽ वला अछि। और हम अपन नव नाम सेहो ओकरा सभ पर लिखबैक। 13जकरा सभ कें कान होइक से सभ सुनि लओ जे प्रभुक आत्मा मण्डली सभ कें की कहैत छथि।

लौदीकिया शहरक मण्डलीक लेल सम्बाद

14"लौदीकियाक मण्डलीक दूत कें ई लिखह,

ओ जे सत्य छथि*, जे विश्वास-योग्य आ सत्य गवाह छथि आ परमेश्वरक सृष्टिक मूलस्रोत* छथि से ई कहैत छथि— 15हम अहाँक

3:10 वा, "तें हमहूँ अहाँ लग ओ विपत्तिक घड़ी नहि आबऽ देब" **3:14** अक्षरशः "ओ जे आमीन छथि" **3:14** वा, "सृष्टिक शासक"

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

काज सभ सँ परिचित छी। हम जनैत छी जे अहाँ ने तँ ठण्ढा छी आ ने गरम। नीक रहैत जे अहाँ चाहे ठण्ढा रहितहुँ वा गरम! 16तेँ हम अपना मुँह सँ अहाँ केँ उगिलि देब, किएक तँ अहाँ ने ठण्ढा छी ने गरम, बल्कि सुसुम छी। 17अहाँ कहैत छी जे, “हम धनवान छी, हम सुखी-सम्पन्न भऽ गेलहुँ, हमरा कोनो बातक अभाव नहि अछि।” मुदा अहाँ नहि जनैत छी जे अहाँक दशा कतेक खराब अछि। अहाँ अभागल, गरीब, आन्हर आ नाङट छी। 18हम अहाँ केँ जे सल्लाह दैत छी, से सुनू। हमरा सँ आगि मे शुद्ध कयल सोना किनि कऽ धनिक भऽ जाउ, हमरा सँ उज्जर वस्त्र मोल लऽ कऽ पहिरि लिअ आ अपन नाङटपनक लज्जा केँ झाँपि लिअ, हमरा सँ मलहम किनि कऽ अपना आँखि पर लगाउ जाहि सँ अहाँ देखि सकब।

19हम जकरा सभ सँ प्रेम करैत छी, तकरा सभ केँ डँटैत छिऐक आ सजाय दऽ कऽ सुधारैत छिऐक। एहि लेल तन-मन-धन सँ हमर बात मानू आ अपना पापक लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन करू। 20देखू, हम द्वारि पर ठाढ़ भऽ कऽ केबाड़ ढकढकबैत आवाज दऽ रहल छी। जँ केओ हमर आवाज सुनि केबाड़ खोलत, तँ हम ओकरा लग भीतर आबि कऽ ओकरा संग भोजन करबैक आ ओ हमरा संग।

21जहिना हम विजयी भऽ कऽ अपन पिताक संग हुनका सिंहासन पर बैसि रहलहुँ, तहिना जे सभ विजय प्राप्त करत, तकरा सभ केँ हम अपना संग सिंहासन पर बैसबाक अधिकार देबैक। 22जकरा सभ केँ कान होइक, से सभ सुनि लओ जे प्रभुक आत्मा मण्डली सभ केँ की कहैत छथि।”

स्वर्गक दर्शन

4 तकरबाद हम आँखि ऊपर उठौलहुँ तँ हमरा सोझाँ मे स्वर्ग मे एक द्वारि देखाइ पड़ल जे खुजल छल। जिनका हम पहिने धुतहू सन आवाज मे अपना सँ बात करैत सुनने छलहुँ, से कहि रहल छलाह जे, “एतऽ ऊपर आउ, हम अहाँ केँ ओ घटना सभ देखायब जे एकरा बाद होमऽ वला अछि।”

2ओही क्षण हमरा प्रभुक आत्मा अपना नियन्त्रण मे लेलनि। हम देखलहुँ जे स्वर्ग मे एक सिंहासन राखल अछि आ सिंहासन पर केओ विराजमान छथि। 3ओ सूर्यकान्त आ गोमेद वला बहुमूल्य पाथर जकाँ सुन्दर देखाइ दऽ रहल छलाह। सिंहासनक चारू कात मरकत पाथर जकाँ पनिसोखा देखाइ पड़ि रहल छल।

4सिंहासनक चारू कात चौबीस सिंहासन छल आ ओहि पर चौबीस धर्मवृद्ध विराजमान छलाह। ओ सभ उज्जर वस्त्र पहिरने छलाह आ हुनका सभक सिर पर सोनाक मुकुट छलनि। 5मुख्य सिंहासन सँ बिजुली चमकैत छल और मेघक गोंगिअयबाक आ तड़कबाक आवाज निकलैत छल। सिंहासनक सामने मे सातटा मशाल जरि रहल छल; ई सभ परमेश्वरक सात आत्मा अछि। 6सिंहासनक आगाँ मे सीसाक समुद्र जकाँ बुझाइत छल, जे आर-पार देखाय वला संगमरमर जकाँ साफ छल। बीच

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मे सिंहासनक चारू कात चारिटा जीवित प्राणी छल जकरा आगाँ-पाछाँ सभतरि आँखिए-आँखि छलैक। 7पहिल प्राणी शेर सन छल, दोसर बड़द सन, तेसराक मुँह मनुष्यक मुँह जकाँ आ चारिम उड़ैत गरुड़ सन छल। 8एहि चारू प्राणी मे प्रत्येक कैँ छओ-छओटा पाँखि छल। ओकरा सभक सम्पूर्ण शरीर मे आ पाँखिक तर मे सेहो आँखिए-आँखि छल। ओ सभ दिन-राति बिनु अटकि कऽ ई कहैत रहैत अछि,

"सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर,
पवित्र, पवित्र, पवित्र छथि।
ओ वैह छथि, जे छलाह, जे छथि
आ जे आबहो वला समय मे
रहताह।"

9जखन-जखन ओ प्राणी सभ सिंहासन पर विराजमान, युगानुयुग धरि जीवित रहनिहारक स्तुति, आदर आ धन्यवाद करैत छनि, 10तखन-तखन चौबीसो धर्मवृद्ध सभ सिंहासन पर विराजमान आ युगानुयुग तक जीवित रहनिहार परमेश्वरक सामने दण्डवत करैत छथिन, हुनकर वन्दना करैत छथिन और सिंहासनक सम्मुख अपन मुकुट राखि कऽ ई कहैत छथि जे,

11 "हे हमरा सभक प्रभु, हमरा सभक
परमेश्वर,
अहाँ महिमा, सम्मान आ सामर्थ्य
पयबाक योग्य छी,
किएक तँ अहीं सभ वस्तुक
सृष्टिकर्ता छी,
अहींक इच्छा सँ एकरा सभक
सृष्टि भेलैक,
अहींक इच्छा सँ ई सभ अस्तित्व
मे अछि।"

मोहर लागल पुस्तक और बलि-भेँड़ा

5 तकरबाद हम देखलहुँ जे, सिंहासन पर जे विराजमान छथि, तिनका दहिना हाथ मे एकटा पुस्तक छनि जाहि मे भीतर-बाहर, दूनू दिस लिखल गेल अछि और जकरा सातटा मोहर मारि कऽ बन्द कऽ देल गेल अछि। 2तखन हम एक शक्तिशाली स्वर्गदूत कैँ देखलहुँ जे ऊँच स्वर मे आवाज दऽ कऽ पुछि रहल छथि जे, "मोहरक छाप सभ कैँ तोड़ि कऽ पुस्तक कैँ खोलबाक योग्य के अछि?" 3मुदा स्वर्ग मे, पृथ्वी पर आ पृथ्वीक नीचाँ पाताल मे केओ एहन व्यक्ति नहि भेटल जकरा ओहि पुस्तक कैँ खोलबाक वा ओहि मे देखबाक अधिकार होइक। 4हम बड्ड कानऽ लगलहुँ, किएक तँ एहन योग्य व्यक्ति केओ नहि भेटल जे ओहि पुस्तक कैँ खोलि सकय वा ओहि मे देखि सकय। 5तखन ओहि चौबीस धर्मवृद्ध मे सँ एक गोटे हमरा कहलनि, "नहि कानू! देखू! ओ जे यहूदाक कुलक शेर छथि, जे दाऊदक वंश मे श्रेष्ठ छथि से विजयी भेल छथि। ओ एहि पुस्तक कैँ आ एकर सातो छाप कैँ खोलि सकैत छथि।"

6तखन हम सिंहासनक बीच मे ठाढ़, चारू जीवित प्राणी आ धर्मवृद्ध सभक बीच, एक बलि-भेँड़ा कैँ देखलहुँ। ओ देखऽ मे एना लगलाह, जेना कहियो वध कयल गेल होथि। हुनका सातटा सींग आ सातटा आँखि छलनि। ई सभ परमेश्वरक सात आत्मा अछि जकरा परमेश्वर सम्पूर्ण पृथ्वी पर पठौने छथिन। 7तकरबाद बलि-भेँड़ा आबि कऽ सिंहासन पर जे विराजमान छलाह, तिनका दहिना हाथ सँ पुस्तक लऽ लेलनि। 8जखन ओ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पुस्तक लऽ लेलनि, तँ चारू जीवित प्राणी
आ चौबीसो धर्मवृद्ध हुनकर सम्मुख मुँहक
भरे खसि पड़लाह। प्रत्येक गोटेक हाथ मे
एकटा वीणा, आ धूप सँ भरल सोनाक
कटोरा छलनि। ई धूप परमेश्वरक लोक
सभक प्रार्थना सभ अछि। 9ओ सभ एक
नव गीत गाबि रहल छलाह—
"अहाँ एहि पुस्तक कैँ लेबाक
आ एकर छाप सभ कैँ खोलबाक
योग्य छी,
किएक तँ अहाँ वध भऽ कऽ अपन
खून सँ प्रत्येक कुल, भाषा, राष्ट्र
आ जाति मे सँ
परमेश्वरक लेल लोक सभ कैँ मोल
लेने छी।
10 हमरा सभक परमेश्वरक सेवा
करबाक लेल
ओकरा सभ कैँ एक राज्य बना देने
छी, पुरोहित बना देने छी।
ओ सभ पृथ्वी पर राज्य करत।"
11 फेर हम देखलहुँ, तँ बहुतो स्वर्गदूत
सभक आवाज सुनाइ देलक जे सभ
सिंहासन, चारू प्राणी आ धर्मवृद्ध सभक
चारू कात ठाढ़ छलाह, जिनकर संख्या
लाखो-लाख आ करोड़ो-करोड़ मे छलनि।
12 ओ सभ जोर सँ बाजि रहल छलाह जे,
"वध कयल गेल बलि-भेँड़ा सामर्थ्य, धन,
बुद्धि, शक्ति, आदर, महिमा आ स्तुति
पयबाक योग्य छथि!"
13 तखन हम सृष्टिक प्रत्येक प्राणी
कैँ, जे स्वर्ग मे अछि, पृथ्वी पर अछि,
पृथ्वीक नीचाँ पाताल मे अछि आ समुद्र
मे अछि, अर्थात् सभ ठामक सभ जीव
कैँ ई कहैत सुनलहुँ जे, "जे सिंहासन पर
विराजमान छथि तिनका, आ बलि-भेँड़ा
कैँ, स्तुति, आदर, महिमा आ सामर्थ्य
युगानुयुग होइत रहनि!" 14 और ओ चारू
जीवित प्राणी बाजल, "आमीन!" आ
चौबीसो धर्मवृद्ध मुँहक भरे खसि कऽ
दण्डवत कयलथिन।

बलि-भेँड़ा छओटा छाप खोलैत छथि

6 हम देखलहुँ जे बलि-भेँड़ा ओहि
सातटा छाप मे सँ एकटा कैँ
खोललनि। तखन ओहि चारू जीवित
प्राणी मे सँ एकटा कैँ एहन आवाज मे, जे
मेघक गर्जन जकाँ लगैत छल, ई कहैत
सुनलहुँ जे, "आउ!" 2तखन हमरा एकटा
उज्जर घोड़ा देखाइ देलक। ओहि पर जे
सवार छल, से धनुष लेने छल। ओकरा
एक विजय-मुकुट देल गेलैक आ ओ
विजयी भऽ कऽ आरो विजय प्राप्त
करबाक लेल निकलि गेल।
3 जखन बलि-भेँड़ा दोसर छाप कैँ
खोललनि तँ दोसर जीवित प्राणी कैँ हम
ई कहैत सुनलहुँ जे "आउ!" 4आब लाल
रंगक एकटा घोड़ा बहरायल। ओकर
सवार कैँ ई अधिकार देल गेलैक जे ओ
पृथ्वी पर सँ शान्ति उठा लय, जाहि सँ
लोक एक-दोसर कैँ खून करऽ लागय।
ओकरा एकटा बड़का तरुआरि देल
गेलैक।
5 जखन बलि-भेँड़ा तेसर छाप
खोललनि, तँ हम तेसर जीवित प्राणी कैँ
ई कहैत सुनलहुँ जे, "आउ!" आब हमरा
एकटा कारी घोड़ा देखाइ देलक। ओहि
पर जे सवार छल, तकरा हाथ मे तराजू
छलैक। 6तखन हमरा एकटा आवाज
सुनाइ देलक जे ओहि चारू जीवित
प्राणीक बीच सँ अबैत बुझायल, जे ई
कहि रहल छल, "दिन भरिक मजदूरी एक
सेर गहुम! दिन भरिक मजदूरी तीन सेर

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जौ! मुदा जैतूनक तेल आ अंगूरक मदिरा कैं नोकसान नहि करिहह।”

7 जखन ओ चारिम छाप खोललनि तँ हम चारिम जीवित प्राणी कैं ई कहैत सुनलहुँ जे, “आउ!” **8** और हमरा आँखिक सामने एकटा पिअर सन हलका रंगक घोड़ा देखाइ देलक। ओकर सवारक नाम मृत्यु छलैक आ ओकरा पाछाँ-पाछाँ पाताल* छलैक। ओकरा सभ कैं पृथ्वीक जनसंख्याक एक चौथाइ भाग पर अधिकार देल गेलैक जे, तरुआरि, अकाल, महामारी आ पृथ्वीक जंगली जानबर सभ द्वारा मारय।

9 जखन बलि-भेँड़ा पाँचम छाप खोललनि तखन हम वेदीक नीचाँ मे ओहि लोक सभक आत्मा सभ कैं देखलहुँ, जे सभ परमेश्वरक वचन पर अटल रहबाक कारणेँ आ तकर गवाही देबाक कारणेँ मारल गेल छलाह। **10** ओ सभ जोर सँ आवाज देलनि जे, “हे स्वामी, अहाँ जे पवित्र आ सत्य छी, अहाँ कहिया तक पृथ्वीक निवासी सभक न्याय कऽ कऽ हमरा सभक खूनक बदला नहि लेब?” **11** हुनका सभ मे प्रत्येक कैं उज्जर वस्त्र देल गेलनि आ कहल गेलनि जे, “किछु समय तक आओर विश्राम करह, जाबत धरि तोरा सभक ओहि संगी-सेवक आ भाय सभक संख्या नहि पुरि जाइत छह, जे सभ तोरे सभ जकाँ मारल जायत।”

12 जखन बलि-भेँड़ा छठम छाप खोललनि, तँ हम देखलहुँ जे बड़का भूकम्प भेल। सूर्य रोंइयाँ सँ बनल कम्बल जकाँ कारी, आ चन्द्रमा खून जकाँ लाल भऽ गेल। **13** आकाशक तारा सभ पृथ्वी पर एना खसल जेना अन्हड़-बिहारि मे अंजीरक काँच फल सभ खसि पड़ैत अछि। **14** आकाश एना विलीन भऽ गेल, जेना ओ कोनो कपड़ा होअय जकरा केओ लपेटि कऽ हटा देने होइक। प्रत्येक पहाड़ आ द्वीप अपना-अपना स्थान सँ हटि गेल। **15** तखन पृथ्वीक राजा, शासक, सेनापति, धनवान आ सामर्थी लोक, और प्रत्येक दास आ स्वतन्त्र व्यक्ति—सभ कैं सभ पहाड़ सभक गुफा सभ मे आ चट्टान सभ मे जा कऽ नुका रहल। **16** और ओ सभ पहाड़ सभ आ चट्टान सभ सँ कहऽ लागल जे, “हमरा सभ पर खसि पड़, आ हमरा सभ कैं हुनका नजरि सँ, जे सिंहासन पर विराजमान छथि, आ बलि-भेँड़ाक क्रोध सँ नुका दे! **17** किएक तँ हुनका लोकनिक क्रोधक भयानक दिन आबि गेल अछि, आ के अछि जे तकर सामना कऽ सकत?”

परमेश्वरक लोक सभ पर सुरक्षाक छाप

7 तकरबाद हम देखलहुँ जे चारिटा स्वर्गदूत पृथ्वीक चारू कोना पर ठाढ़ छथि आ पृथ्वीक चारू बसात कैं रोकि कऽ रखने छथि, जाहि सँ धरती पर, समुद्र पर आ गाछ-वृक्ष सभ पर बसात नहि बहय। **2** फेर हम एकटा आरो स्वर्गदूत कैं जीवित परमेश्वरक मोहर लऽ कऽ पूब दिस सँ ऊपर अबैत देखलहुँ। ओ ओहि चारू स्वर्गदूत कैं, जिनका सभ कैं धरती आ समुद्र कैं हानि पहुँचयबाक अधिकार देल गेल छलनि, जोर सँ आवाज दऽ कऽ कहलथिन, **3** “जा धरि हम सभ अपन

6:8 मूल मे, “हेडीस”, अर्थात्, “मरल सभक वास-स्थान”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

परमेश्वरक सेवक सभक कपार पर
मोहरक छाप नहि लगा दैत छी, ता धरि
धरती, समुद्र आ गाछ-वृक्ष सभ कैं कोनो
हानि नहि पहुँचाउ।" 4तखन हम ओहि
लोक सभक संख्या सुनलहुँ, जकरा सभ
पर मोहरक छाप लगाओल गेलैक। ओ
संख्या छल एक लाख चौआलिस हजार।
ओ सभ इस्राएलक प्रत्येक कुल मे सँ छल।
5 यहूदा-कुल मे सँ बारह हजार लोक
सभ पर,
रूबेन-कुल मे सँ बारह हजार लोक
सभ पर,
गाद-कुल मे सँ बारह हजार लोक
सभ पर,
6 आशेर-कुल मे सँ बारह हजार लोक
सभ पर,
नप्ताली-कुल मे सँ बारह हजार लोक
सभ पर,
मनश्शे-कुल मे सँ बारह हजार लोक
सभ पर,
7 सिमियोन-कुल मे सँ बारह हजार
लोक सभ पर,
लेवी-कुल मे सँ बारह हजार लोक
सभ पर,
इस्साकार-कुल मे सँ बारह हजार
लोक सभ पर,
8 जबूलून-कुल मे सँ बारह हजार लोक
सभ पर,
यूसुफ-कुल मे सँ बारह हजार लोक
सभ पर
आ बिन्यामीन-कुल मे सँ बारह हजार
लोक सभ पर मोहरक छाप
लगाओल गेल।

विशाल भीड़ द्वारा परमेश्वरक वन्दना

9 तकरबाद हम आँखि ऊपर उठौलहुँ,
तँ हमरा सामने मे एक विशाल भीड़ देखाइ
पड़ल, जकर गिनती केओ नहि कऽ
सकैत छल। ओहि भीड़ मे प्रत्येक जाति,
प्रत्येक कुल, प्रत्येक राष्ट्र आ प्रत्येक
भाषाक लोक छल। ओ सभ उज्जर वस्त्र
पहिरने छल आ हाथ मे खजूरक छज्जा
लेने सिंहासन आ बलि-भेँड़ाक सम्मुख
ठाढ़ छल। 10 ओ सभ जोर-जोर सँ कहि
रहल छल जे, "सिंहासन पर विराजमान
हमरा सभक परमेश्वर द्वारा आ बलि-भेँड़ा
द्वारा मात्र उद्धार अछि।"*

11 सभ स्वर्गदूत सिंहासनक, धर्मवृद्ध
सभक आ ओहि चारू जीवित प्राणीक
चारू कात ठाढ़ छलाह। ओ सभ
सिंहासनक सम्मुख मुँह भरे खसि कऽ
ई कहैत परमेश्वरक वन्दना कयलनि
जे, 12 "ई बात सत्य अछि*! हमरा
सभक परमेश्वरक स्तुति, महिमा, बुद्धि,
धन्यवाद, आदर, शक्ति आ सामर्थ्य
युगानुयुग होनि। आमीन!"

13 तकरबाद धर्मवृद्ध सभ मे सँ एक
गोटे हमरा पुछलनि जे, "ई सभ जे उज्जर
वस्त्र पहिरने अछि, से के अछि, आ कतऽ
सँ आयल अछि?"

14 हम उत्तर देलियनि, "यौ सरकार, ई
बात तँ अहीं जनैत छी।" तखन ओ हमरा
कहलनि जे, "ई लोक सभ वैह अछि जे
महाकष्ट सहि कऽ आयल अछि। ई सभ
अपन वस्त्र बलि-भेँड़ाक खून मे धो कऽ
उज्जर कऽ लेने अछि। 15 एहि लेल ई सभ

7:10 वा, "सिंहासन पर विराजमान हमरा सभक परमेश्वर आ बलि-भेँड़ा विजयी छथि।" **7:12** मूल मे, "आमीन!"

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

परमेश्वरक सिंहासनक सम्मुख ठाढ़ रहैत
अछि आ दिन-राति हुनका मन्दिर मे हुनकर
सेवा करैत रहैत छनि। ओ, जे सिंहासन पर
विराजमान छथि, एकरा सभक संग निवास
करथिन आ सुरक्षित रखथिन। 16एकरा
सभ कैँ ने तँ कहियो फेर भूख लगतैक आ
ने पियास। एकरा सभ कैँ ने तँ प्रचण्ड रौद सँ
कष्ट होयतैक आ ने लू लगतैक। 17किएक
तँ बलि-भेँड़ा जे सिंहासनक बीच विद्यमान
छथि, से एकरा सभक चरबाह रहथिन आ
एकरा सभ कैँ जीवनक जलक झरना लग
लऽ जयथिन। और परमेश्वर एकरा सभक
आँखिक सभ नोर पोछि देथिन।”

सातम छाप आ सोनाक धूपदानी

8 जखन बलि-भेँड़ा सातम छाप
खोललनि, तँ करीब आधा घण्टा
धरि स्वर्ग मे कोनो आवाज नहि सुनाइ
पड़ल; सभ शान्त रहल। 2तकरबाद हम
ओहि सातटा स्वर्गदूत कैँ देखलियनि,
जे सभ परमेश्वरक सम्मुख ठाढ़ रहैत
छथि। हुनका सभ कैँ सातटा धुतहू देल
गेलनि। 3तखन एकटा आरो स्वर्गदूत
सोनाक धूपदानी लऽ कऽ अयलाह आ
वेदी लग मे ठाढ़ भऽ गेलाह। हुनका बहुत
रास धूप देल गेलनि, जाहि सँ ओ ओकरा
सिंहासनक समक्ष स्थित सोनाक वेदी पर
परमेश्वरक सभ लोकक प्रार्थनाक संग
चढ़बथि। 4स्वर्गदूतक हाथ सँ धूपक
धुआँ परमेश्वरक लोकक प्रार्थना सभक
संग परमेश्वरक सम्मुख ऊपर पहुँचलनि।
5तकरबाद स्वर्गदूत धूपदानी लेलनि आ
वेदी परक आगि सँ भरि कऽ ओकरा
पृथ्वी पर फेकि देलथिन। एहि पर मेघ
तड़कऽ आ गोंगिआय लागल, बिजुली
चमकऽ लागल आ भूकम्प भेल।

पहिल छओ धुतहू

6 आब ओ सातो स्वर्गदूत, जिनका
सभ लग सातटा धुतहू छलनि, ओकरा
फुकबाक लेल तैयार भऽ गेलाह।

7 पहिल स्वर्गदूत धुतहू फुकलनि। एहि
पर खूनक संग पाथर आ आगि पृथ्वी पर
बरसाओल गेल। एहि सँ पृथ्वीक एक
तिहाइ भाग आ गाछ-वृक्ष सभक एक
तिहाइ भाग भस्म भऽ गेल, और सभ
हरियर घास-पात भस्म भऽ गेल।

8 दोसर स्वर्गदूत धुतहू फुकलनि, तँ
आगि सँ जरैत एक विशाल पहाड़ सन
वस्तु समुद्र मे फेकल गेल। एहि सँ समुद्रक
एक तिहाइ भाग खून बनि गेल। 9समुद्र
मेहक एक तिहाइ प्राणी मरि गेल आ एक
तिहाइ पानिजहाज सभ नष्ट भऽ गेल।

10 तेसर स्वर्गदूत धुतहू फुकलनि, तँ
एक विशाल तारा, मशाल जकाँ जरैत,
आकाश सँ टुटल आ नदी सभक और
जलस्रोत सभक एक तिहाइ भाग पर खसि
पड़ल। 11ओहि ताराक नाम “चिरैंता”,
अर्थात् तिताह, अछि। ओहि सँ जलक
एक तिहाइ भाग तीत भऽ गेल आ जल
कैँ तीत भऽ जयबाक कारणेँ बहुतो लोक
मरि गेल।

12 चारिम स्वर्गदूत धुतहू फुकलनि, तँ
सूर्यक एक तिहाइ भाग, चन्द्रमाक एक
तिहाइ भाग आ तारा सभक एक तिहाइ
भाग पर प्रहार भेल, जाहि सँ ओकरा
सभक एक तिहाइ भाग अन्हार भऽ
गेलैक। दिनक एक तिहाइ भाग मे इजोत
नहि रहल आ तहिना रातिक एक तिहाइ
भागक सेहो वैह अवस्था भऽ गेलैक।

13 हम फेर नजरि उठौलहुँ तँ बीच
आकाश मे एकटा गरुड़ कैँ उड़ैत देखलहुँ,

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जे जोर सँ ई घोषणा कऽ रहल छल, “कष्ट! कष्ट! कष्ट! पृथ्वीक निवासी सभ पर धुतहूक बाँकी आवाजक कारणेँ, जकरा तीनटा स्वर्गदूत फुकऽ वला छथि कतेक भयानक विपत्ति औतैक! हाय! हाय! हाय!”

9 जखन पाँचम स्वर्गदूत धुतहू फुकलनि, तँ हम एकटा तारा देखलहुँ जे आकाश सँ पृथ्वी पर खसल छल। ओहि तारा केँ अथाह कुण्डक कुंजी देल गेलैक। 2ओ अथाह कुण्ड केँ खोललक। एहि पर ओहि कुण्डक धुआँ, जे बड़का भट्ठाक धुआँ सन छल, बहरायल। ओहि धुआँ सँ सूर्य छेका गेल आ आकाश अन्हार भऽ गेल। 3ओहि धुआँ मे सँ पृथ्वी पर फनिगा सभ बाहर आयल। ओकरा सभ केँ एहन शक्ति देल गेलैक, जेहन पृथ्वी परक बिच्छु सभक होइत छैक। 4ओकरा सभ केँ ई आदेश देल गेलैक जे ओ सभ घास अथवा कोनो गाछ-वृक्ष केँ हानि नहि पहुँचाबय, बल्कि मात्र ओहि मनुष्य सभ केँ, जकरा कपार पर परमेश्वरक मोहरक छाप नहि लागल होइक। 5फनिगा सभ केँ ओहि मनुष्य सभक वध करबाक नहि, बल्कि ओकरा सभ केँ पाँच महिना तक भयंकर कष्ट देबाक अनुमति देल गेलैक। ई एहन कष्ट छल जेहन बिच्छुक डंक मारला सँ मनुष्य केँ होइत छैक। 6ओहि समय मे लोक सभ मृत्युक खोज करत, मुदा ओकरा सभ केँ मृत्यु नहि भेटतैक। ओ सभ मरबाक अभिलाषा करत, मुदा मृत्यु ओकरा सभ लग सँ दूर भागि जयतैक।

7 एहि फनिगा सभक रूप युद्ध करबाक लेल तैयार कयल घोड़ा सन छलैक। ओकरा सभक मूड़ी पर सोनाक मुकुट सन कोनो वस्तु छलैक। ओकरा सभक मुँह मनुष्यक मुँह जकाँ छलैक। 8ओकरा सभक केश स्त्रीगणक केश सन, आ ओकरा सभक दाँत सिंहक दाँत सन छलैक। 9ओकरा सभ केँ एहन कवच छलैक जे लोहाक कवच सन छल। ओकरा सभक पाँखिक आवाज एहन छलैक, जेना युद्ध मे जाइत बहुतो रथ आ घोड़ा सभक दौड़ला पर होइत अछि। 10ओकरा सभक नांगड़ि बिच्छुक पुछड़ी जकाँ छलैक जाहि द्वारा ओ सभ डंक मारि सकैत छल। ओकरा सभक नांगड़ि मे पाँच मास तक मनुष्य सभ केँ पीड़ा देबाक शक्ति छलैक। 11ओकरा सभक जे राजा छलैक, से ओ दूत अछि जे अथाह कुण्डक अधिकारी अछि। इब्रानी भाषा मे ओकर नाम “अबद्दोन” छैक आ यूनानी मे “अपुल्लयोन”, ⌞अर्थात्, विनाश करऽ वला⌟।

12 पहिल विपत्ति समाप्त भेल। दूटा विपत्ति आरो आबऽ वला अछि।

13 जखन छठम स्वर्गदूत धुतहू फुकलनि, तखन हम सोनाक वेदी जे परमेश्वरक सम्मुख अछि, तकर चारू सींग मे सँ एकटा स्वर सुनलहुँ। 14ओ स्वर छठम स्वर्गदूत केँ, जिनका लग धुतहू छलनि, कहलकनि जे, “महा-नदी फरात लग जे चारू दूत बान्हल अछि, तकरा सभ केँ खोलि दिऔक।” 15ओहि चारू दूतक बन्हन खोलि देल गेलैक। ओ सभ मनुष्य जातिक एक तिहाइ भाग केँ मारि देबाक लेल एही वर्ष, मास, दिन आ घड़ीक लेल तैयार कऽ कऽ राखल गेल छल। 16हम ओकरा सभक घोड़सवार सैनिक सभक संख्या सुनलहुँ—ओ बीस करोड़ छल। 17ओहि दर्शन मे ओ घोड़ा

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सभ आ ओहि परक सवार सैनिक सभ
हमरा एहि तरहेँ देखाइ देलक—ओ सभ
आगि सन लाल रंगक, नील रंगक आ
गन्धक सन पिअर रंगक कवच पहिरने
छल। घोड़ा सभक मूड़ी शेरक मूड़ी जकाँ
छलैक आ ओकरा सभक मुँह सँ आगि,
धुआँ आ गन्धक बहरा रहल छल। 18एहि
तीन विपत्ति द्वारा, अर्थात् ओहि आगि,
धुआँ आ गन्धक द्वारा, जे घोड़ा सभक
मुँह सँ बहरा रहल छल, मनुष्य जातिक
एक तिहाइ भाग केँ मारि देल गेलैक।
19ओहि घोड़ा सभक सामर्थ्य ओकरा
सभक मुँह आ नांगड़ि दूनू मे छलैक,
किएक तँ ओकरा सभक नांगड़ि साँप
जकाँ छलैक, जाहि मे मूड़ी लागल छल।
एही सभक द्वारा ओ सभ मनुष्य केँ हानि
पहुँचा रहल छल।

20 तैयो बाँकी बाँचल लोक, जे सभ
एहि विपत्ति सभ सँ मारल नहि गेल
छल, से सभ अपना हाथक रचल वस्तु
सँ एखनो मोन नहि हटौलक। ओ सभ
दुष्टात्मा सभक, आ नहि देखऽ वला, नहि
सुनऽ वला, नहि चलऽ वला, सोना, चानी,
पित्तरि, पाथर आ काठक मूर्ति सभक
पूजा कयनाइ नहि छोड़लक। 21ओ सभ
हृदय-परिवर्तन नहि कयलक, बल्कि
हत्या, जादू-टोना, अनैतिक शारीरिक
सम्बन्ध आ चोरी वला अपन काज सभ
करिते रहल।

स्वर्गदूत आ छोट पुस्तक

10 तकरबाद हम एक दोसर
शक्तिशाली स्वर्गदूत केँ स्वर्ग
सँ उतरैत देखलियनि। ओ मेघ ओढ़ने
छलाह आ हुनका सिर पर पनिसोखा
शोभायमान छलनि। हुनकर मुँह सूर्य
जकाँ चमकैत छलनि आ हुनकर पयर
आगिक खाम्ह जकाँ छलनि। 2हुनका
हाथ मे खुजल एक छोट पुस्तक छलनि।
ओ अपन दहिना पयर समुद्र पर आ
बामा पयर धरती पर रखलनि। 3ओ
ऊँच स्वर सँ एना आवाज देलनि जेना
सिंह गर्जन कयने होअय। एहि पर सातो
मेघ-गर्जनक आवाज आबऽ लागल।
4जखन ओ सातो मेघ-गर्जन अपन-अपन
आवाज निकाललक, तँ हम ओकरा
सभक कहल बात सभ केँ लिखबाक लेल
हाथ उठौलहुँ, मुदा ओही घड़ी मे स्वर्ग
सँ ई कहैत एकटा आवाज हम सुनलहुँ
जे, “सातो मेघ-गर्जनक आवाज जे बात
बाजल तकरा गुप्त राखह, ओकरा नहि
लिखह।”

5 तखन जाहि स्वर्गदूत केँ हम समुद्र आ
धरती पर ठाढ़ देखने छलियनि, से अपन
दहिना हाथ स्वर्ग दिस ऊपर उठौलनि,
6आ जे युगानुयुग जीवित छथि, जे स्वर्ग
आ ओहि मेहक सभ वस्तुक, पृथ्वी आ
ओहि परक सभ वस्तुक, और समुद्र
आ ओहि मेहक सभ वस्तुक सृष्टिकर्ता
छथि, तिनकर सपत खा कऽ कहलनि
जे, “आब आरो देरी नहि होयत, 7बल्कि
जाहि दिन सातम स्वर्गदूतक फुकल
धुतहूक आवाज सुनाइ पड़त, ताहि दिन
परमेश्वरक ओ गुप्त योजना पूरा भऽ
जायत, जकरा विषय मे ओ अपन सेवा
करऽ वला प्रवक्ता सभ लग घोषणा
कयने छलाह।”

8 तखन ओ आवाज जे स्वर्ग सँ हमरा
पहिने सुनाइ देने छल, से फेर हमरा ई
कहलक जे, “जाह, जे स्वर्गदूत समुद्र आ
धरती पर ठाढ़ छथि, तिनका हाथ सँ ओ
खुजल छोटका पुस्तक लऽ लैह।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

9 तेँ हम ओहि स्वर्गदूत लग जा कऽ
कहलियनि जे, “ई छोट पुस्तक हमरा
दऽ दिअ।” ओ हमरा कहलनि जे, “लैह,
एकरा खा लैह। ई तोरा पेट केँ कड़ुआह
बना देतह मुदा तोरा मुँह मे मधु सन
मीठ लगतह।” **10** हम ओहि पुस्तक केँ
स्वर्गदूतक हाथ सँ लऽ कऽ खा लेलहुँ।
हमरा मुँह मे मधु सन मीठ लागल, मुदा
जखन हम घोँटलहुँ, तँ हमर पेट कड़ुआह
भऽ गेल। **11** तकरबाद हमरा कहल गेल
जे, “तोरा फेर बहुतो राष्ट्र सभक, जाति
सभक, भाषा सभक आ राजा सभक
विषय मे भविष्यवाणी करऽ पड़तह।”

प्रभुक दूनू गवाह

11 तकरबाद हमरा एकटा नापऽ
वला लग्गा देल गेल आ कहल
गेल जे, “उठह, परमेश्वरक मन्दिर आ
वेदी केँ नापह और मन्दिर मे आराधना
कयनिहार सभक गिनती करह। **2** मुदा
मन्दिरक बाहरी आङन केँ छोड़ि दहक,
ओकरा नहि नापह, किएक तँ ओ
परमेश्वर केँ नहि चिन्हऽ वला जातिक
लोक सभ केँ देल गेल अछि। ओ सभ
बयालीस महिना तक पवित्र नगर केँ
लतमरदनि करैत रहत। **3** हम अपन दूनू
गवाह केँ अधिकार देबैक जे ओ सभ चट्टी
ओढ़ि कऽ* एक हजार दू सय साठि दिन
तक हमरा सँ पाओल सम्बादक प्रचार
करथि।”

4 ई दूनू गवाह दूनू जैतूनक गाछ आ दीप
राखऽ वला दूनू लाबनि छथि जे तिनका
सामने मे ठाढ़ रहैत छथि जे पृथ्वीक प्रभु
छथि। **5** जँ केओ हिनका सभ केँ हानि
पहुँचयबाक कोशिश करत, तँ हिनका
सभक मुँह सँ आगि बहरा कऽ ओहि
दुश्मन सभ केँ भस्म कऽ देतैक। जे केओ
हिनका सभक हानि पहुँचाबऽ चाहत, तकर
विनाश एहि तरहेँ निश्चित अछि। **6** हिनका
सभ केँ अधिकार छनि जे आकाशक द्वारि
बन्द कऽ देथि, जाहि सँ ई सभ जहिया तक
प्रभु सँ पाओल सम्बादक प्रचार करताह,
तहिया तक वर्षा नहि होइक। हिनका सभ
केँ इहो अधिकार छनि जे, जलस्रोत केँ खून
बना देथि आ जतेक बेर चाहथि, पृथ्वी पर
सभ प्रकारक महामारी पठबथि।

7 जखन ओ सभ अपन गवाही देबाक
काज समाप्त कऽ लेताह तँ ओ जानबर
जे अथाह कुण्ड मे सँ बहराइत अछि, से
हुनका सभ पर आक्रमण करत आ हुनका
सभ केँ पराजित कऽ कऽ मारि देतनि।
8 हुनका सभक लास ओहि महानगरक
सड़क पर पड़ल रहतनि, जतऽ हुनका
सभक प्रभु केँ सेहो क्रूस पर चढ़ा कऽ मारि
देल गेल छलनि और जे तुलनात्मक रूप
मे “सदोम” आ “मिस्र” कहबैत अछि।
9 साढ़े तीन दिन तक प्रत्येक राष्ट्र, कुल,
भाषा आ जातिक लोक हुनका सभक
लास केँ देखैत रहत आ ओहि लास सभ
केँ कबर मे नहि राखऽ देत। **10** पृथ्वीक
निवासी सभ हुनका सभक मृत्यु सँ प्रसन्न
होयत आ एक-दोसर केँ उपहार पठा कऽ
आनन्द मनाओत, किएक तँ परमेश्वरक
ई दूनू प्रवक्ता पृथ्वीक निवासी सभ केँ
बहुत कष्ट पहुँचौने छलाह।

11 मुदा साढ़े तीन दिनक बाद
परमेश्वरक दिस सँ हुनका दूनू मे जीवनक
साँस आबि गेलनि आ ओ सभ उठि कऽ

11:3 “चट्टी ओढ़ि कऽ”—अर्थात्, शोक देखाबऽ वला वस्त्र पहिरि कऽ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

ठाढ़ भऽ गेलाह। तखन सभ देखनिहारक मोन मे भयंकर डर सन्हिया गेलैक।
12तखने स्वर्ग सँ ऊँच आवाज मे एक स्वर हुनका सभ कैँ ई कहैत सुनाइ देलक जे, "एतऽ ऊपर आबह," आ ओ दूनू गोटे अपन दुश्मन सभक आँखिक सामने मेघ बाटे स्वर्ग मे चल गेलाह।

13 ओही घड़ी बड़का भूकम्प भेल आ नगरक दसम भाग माटि मे मिलि गेल। ओहि भूकम्प सँ सात हजार लोक मारल गेल आ बाँचल लोक सभ भयभीत भऽ स्वर्ग मे विराजमान रहऽ वला परमेश्वरक महिमाक गुणगान करऽ लागल।

14 दोसर विपत्ति समाप्त भऽ गेल। देखू, तेसर विपत्ति जल्दिए आबऽ वला अछि।

सातम धुतहू

15 सातम स्वर्गदूत धुतहू फुकलनि। एहि पर स्वर्ग मे एना कहैत कतेको आवाज जोर-जोर सँ आबऽ लागल जे,

"संसारक राज्य हमरा सभक प्रभु
आ हुनकर मसीह कैँ प्राप्त भऽ
गेलनि।
ओ युगानुयुग तक राज्य करताह।"

16 तखन चौबीसो धर्मवृद्ध, जे परमेश्वरक सम्मुख अपन-अपन सिंहासन पर बैसल छलाह, से सभ मुँह भरे खसि कऽ परमेश्वरक आराधना करैत कहऽ लगलाह जे,

17 "हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर,
अहाँ जे छी, आ जे छलहुँ!
हम सभ अहाँ कैँ धन्यवाद दैत छी जे
अहाँ अपन सामर्थ्यक प्रयोग कऽ
कऽ
राज्य करऽ लागल छी।
18 जाति-जातिक लोक सभ क्रोधित भेल,
और आब अहाँक क्रोध प्रगट भऽ
गेल अछि।
ओ समय आबि गेल अछि, जहिया
मुइल लोक सभक न्याय कयल
जयतैक,
और जहिया अहाँक सेवा करऽ
वला प्रवक्ता सभ
आ अहाँक लोक सभ कैँ पुरस्कार
भेटतैक,
अर्थात् छोट-पैघ ओहि सभ लोक
कैँ जे अहाँक नामक भय मानैत
अछि।
ओ समय आबि गेल अछि जहिया
पृथ्वी कैँ नष्ट-भ्रष्ट कयनिहार
सभक विनाश कयल जयतैक।"

19 तखन परमेश्वरक मन्दिर जे स्वर्ग मे छल से खोलल गेल आ ओहि मन्दिर मे परमेश्वरक "सम्बन्धक साक्षीक सन्दूक" देखाइ देलक। बिजुली चमकऽ लागल, मेघक गोंगिअयबाक आ तड़कबाक आवाज होमऽ लागल, भूकम्प भेल आ बड़का-बड़का पाथर खसऽ लागल।

स्त्री आ विशाल अजगर

12 तकरबाद आकाश मे एक आश्चर्यजनक चिन्ह देखाइ देलक जकर अर्थ महत्वपूर्ण अछि—एक स्त्री वस्त्रक रूप मे सूर्य पहिरने छलीह। हुनका पयरक नीचाँ मे चन्द्रमा छल आ सिर पर बारहटा ताराक एक मुकुट छलनि।
2 ओ गर्भवती छलीह आ बच्चा कैँ जन्म देबाक समय आबि जयबाक कारणेँ प्रसव-पीड़ा सँ चीत्कार करैत छलीह।
3 एकटा आरो चिन्ह आकाश मे देखाइ देलक—लाल रंगक एक विशाल अजगर। ओकरा सातटा मूड़ी आ दसटा सींग छलैक

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

आ ओकरा मूड़ी सभ पर सातटा मुकुट छलैक। 4ओकर नांगड़ि आकाशक एक
तिहाइ भाग तारा सभ कें बहारि कऽ पृथ्वी
पर खसा देलक। बच्चा कें जन्म देबऽ
वाली स्त्रीक सम्मुख ओ अजगर ठाढ़
भऽ गेल, जाहि सँ जखने बच्चाक जन्म
होअय, तँ ओकरा गीड़ि जाइ। 5ओ स्त्री
एक बालक कें जन्म देलनि—ओहि पुत्र
कें, जे सभ जातिक लोक सभ पर लोहाक
राजदण्ड सँ शासन करताह। मुदा ओहि
बच्चा कें तुरत उठा कऽ परमेश्वर आ
हुनका सिंहासन लग पहुँचा देल गेलनि।
6ओ स्त्री मरुभूमि दिस भागि कऽ चलि
गेलीह जतऽ परमेश्वर हुनका लेल एक
स्थान तैयार कयने छलथिन, जाहि सँ एक
हजार दू सय साठि दिन तक ओतऽ हुनकर
देखभाल कयल जानि।

7 तकरबाद स्वर्ग मे युद्ध शुरू भऽ गेल।
मिकाएल अपन स्वर्गदूत सभ कें संग लऽ
अजगर सँ युद्ध करऽ लगलाह। अजगर आ
ओकर दूत सभ सेहो युद्ध कयलक, 8मुदा
ओ सभ हारि गेल आ ओकरा सभक लेल
स्वर्ग मे कोनो स्थान नहि रहलैक। 9तखन
ओ भयंकर अजगर—प्राचीन समयक ओ
साँप, जे महादुष्ट वा शैतान कहबैत अछि
आ सम्पूर्ण संसार कें बहकबैत अछि,
तकरा अपन दूत सभक संग पृथ्वी पर
फेकि देल गेलैक। 10तखन हम स्वर्ग मे
जोर सँ बजैत एकटा आवाज सुनलहुँ जे ई
कहैत छल जे,

"आब हमरा सभक परमेश्वरक
मुक्ति, शक्ति, राज्य
आ हुनकर मसीहक अधिकार
प्रगट भेल अछि।
किएक तँ हमरा सभक भाय सभ पर
दोष लगौनिहार ओ शैतान
जे दिन-राति परमेश्वरक समक्ष
ओकरा सभ पर दोष लगबैत
रहैत छल,
तकरा नीचाँ फेकि देल गेल अछि।
11 ओ सभ बलि-भेँड़ाक खून द्वारा
आ ओहि वचन द्वारा जकर ओ
सभ गवाही दैत रहल
ओकरा पर विजयी भेल अछि,
किएक तँ ओ सभ अपन प्राणक मोह
छोड़ि कऽ
मृत्यु कें सेहो स्वीकार करबाक
लेल तैयार छल।
12 एहि कारणेँ, हे स्वर्ग आ ओहि मे
निवास कयनिहार सभ,
आनन्द मनाउ!
मुदा हे पृथ्वी आ समुद्र, तोरा सभ कें
कतेक कष्ट होयतह!
किएक तँ शैतान तोरा सभ लग
उतरि आयल छह
आ ई जानि जे ओकरा कनेके समय
बाँचल छैक
अत्यन्त क्रोधित भऽ गेल अछि।"

13 जखन ओ अजगर देखलक जे
ओ पृथ्वी पर फेकि देल गेल अछि, तँ
ओ ओहि स्त्री कें पाछाँ करऽ लागल,
जे बालक कें जन्म देने छलीह। 14मुदा
स्त्री कें विशालकाय गरुड़क दूटा पाँखि
देल गेलनि, जाहि सँ ओ अजगरक
सम्मुख सँ उड़ि कऽ ओहि मरुभूमि मे
चलि जाथि, जतऽ साढ़े तीन वर्ष तक*
हुनकर देखभाल कयल जानि। 15अजगर
स्त्रीक पाछाँ अपना मुँह सँ नदी जकाँ

12:14 अक्षरशः "जतऽ एक समय, समय सभ आ आधा समय तक"

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

पानि निकाललक, जाहि सँ कि स्त्री
कैं बाढ़ि बहा कऽ लऽ जानि। 16मुदा
पृथ्वी स्त्रीक सहायता कयलकनि आ
अपन मुँह खोलि कऽ ओहि पानि कैं,
जे अजगर अपना मुँह सँ बहौने छल,
पिबि लेलक। 17तखन अजगर स्त्री
पर अत्यन्त क्रोधित भेल आ स्त्रीक
आरो-आरो सन्तान सभ सँ, अर्थात्,
जे सभ परमेश्वरक आज्ञा मानैत छथि
आ यीशुक विषय मे देल गेल गवाही
पर अटल छथि, तिनका सभ सँ युद्ध
करबाक लेल गेल। 18ओ समुद्रक कछेर
पर जा कऽ ठाढ़ भऽ गेल।

समुद्र सँ बहरायल जानबर

13 तखन हम एकटा जानबर कैं
समुद्र मे सँ बहराइत देखलहुँ
जकरा दसटा सींग आ सातटा सिर
छलैक। ओकर प्रत्येक सींग पर मुकुट
छलैक आ प्रत्येक सिर पर एहन नाम
लिखल छलैक जाहि द्वारा परमेश्वरक
अपमान होइत छल। 2हम जाहि जानबर
कैं देखलहुँ, से चितुआ सन छल, मुदा
ओकर पयर भालुक पयर सन छलैक आ
मुँहक आकार सिंहक मुँह सन छलैक।
ओकरा अजगर अपन शक्ति, अपन
सिंहासन आ अपन महान् अधिकार
प्रदान कऽ देलकैक। 3एना लगैत छल
जे ओकर एकटा सिर पर प्राण-घातक
प्रहार कयल गेल छलैक, मुदा ओ घाव
ठीक भऽ गेल छलैक। एहि कारणेँ सम्पूर्ण
पृथ्वीक लोक आश्चर्यित भऽ ओहि
जानबरक भक्त भऽ गेल। 4लोक सभ
अजगरक पूजा कयलक, किएक तँ वैह
जानबर कैं अधिकार देने छलैक। ओ
सभ जानबरक पूजा सेहो कयलक आ
कहलक, “एहि जानबरक बराबरि के
भऽ सकैत अछि? एकरा संग के युद्ध कऽ
सकैत अछि?”

5 ओहि जानबर कैं अहंकारी आ
परमेश्वरक निन्दा वला बात सभ
बजबाक मुँह देल गेलैक आ बयालीस
महिना तक ओकरा अपन काज करैत
रहबाक अधिकार भेटलैक। 6एहि पर
ओ परमेश्वरक निन्दा करऽ लागल
आ हुनकर नामक, हुनकर निवास-
स्थानक आ ओहि सभ लोकक जे स्वर्ग
मे रहैत छथि, अपमान करऽ लागल।
7परमेश्वरक लोक सभक संग युद्ध
करबाक आ हुनका सभ पर विजय
पयबाक शक्ति ओकरा देल गेलैक, और
प्रत्येक कुल, राष्ट्र, भाषा आ जातिक
लोक पर ओकरा अधिकार भेटलैक।
8ओहि जानबरक पूजा पृथ्वीक सभ
लोक करत, अर्थात्, ओ सभ लोक
जकरा सभक नाम ओहि बलि-भेँड़ाक,
जे सृष्टिक आरम्भ सँ पहिने वध कयल
गेल छलाह, तिनकर जीवनक पुस्तक मे
नहि लिखल गेल छैक।* 9जकरा सभ कैं
कान होइक से सभ सुनि लओ।

10 “जकरा बन्दी बनबाक छैक,
से बन्दी बनाओल जायत।
जकरा तरुआरि सँ मरबाक छैक*,
से तरुआरि सँ मारल जायत।”

13:8 वा, “ओ सभ लोक जकरा सभक नाम सृष्टिक आरम्भहि सँ जीवनक पुस्तक, जे वध कयल बलि-भेँड़ाक छनि, ताहि मे नहि लिखल छैक।” **13:10** किछु हस्तलेख मे ई पाँति एहि तरहेँ लिखल अछि, “जे केओ तरुआरि सँ मारत”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

एकर अर्थ अछि जे परमेश्वरक लोक सभ कें धैर्यक संग साहस रखैत विश्वास मे स्थिर रहनाइ जरूरी अछि।

धरती सँ बहरायल जानबर

11 तकरबाद हम एक दोसर जानबर कें
देखलहुँ; ओ धरती मे सँ बहराइत छल।
ओकरा भेँड़ा जकाँ दूटा सींग छलैक,
मुदा ओ अजगर जकाँ बजैत छल। **12** ओ
पहिल जानबरक सेवा मे ओकर सम्पूर्ण
अधिकार प्रयोग मे लबैत छल। ओ पृथ्वी
आ ओहि परक सभ निवासी सँ ओहि
पहिल जानबरक, जकर प्राण-घातक घाव
ठीक भऽ गेल छलैक, पूजा करबबैत
छल। **13** ओ बड़का-बड़का चमत्कार
देखबैत छल, एहनो चमत्कार जे लोकक
देखिते-देखिते मे आकाश सँ पृथ्वी पर
आगि बरसा दैत छल। **14** पहिल जानबरक
सेवा मे जे चमत्कार सभ देखयबाक
शक्ति ओकरा भेटल छलैक, ताहि द्वारा
ओ पृथ्वीक निवासी सभ कें बहकबैत
छल। ओ ओकरा सभ सँ ओहि पहिल
जानबर, जकरा पर तरुआरिक प्रहार भेल
छल आ तैयो जीवित छल, तकरा सम्मान
मे ओकर मूर्ति बनबौलक।

15 ओकरा जानबरक प्रतिमा मे प्राण
राखि देबाक अधिकार भेटलैक जाहि
सँ ओ प्रतिमा बाजऽ लागय आ जे सभ
प्रतिमाक पूजा नहि करत तकरा मरबा
दय। **16** ओ छोट-पैघ, धनिक-गरीब,
स्वतन्त्र-दास, सभ लोक कें दहिना हाथ
पर वा कपार पर छाप लगबयबाक लेल
बाध्य कयलकैक। **17** ओ एहि प्रकारक
नियम बना देलक जे जकरा पर ओ छाप
नहि लागल छलैक से सभ कोनो प्रकारक
किनऽ-बेचऽ वला काज नहि कऽ सकैत
छल। ओ छाप जानबरक नाम वा ओकरा
नाम सँ सम्बन्धित अंक छल।

18 एतऽ बुद्धिक आवश्यकता अछि।
जे बुद्धिमान होअय, से जानबरक नामक
अंकक हिसाब लगाबओ, किएक तँ ई
अंक मनुष्यक नामक संकेत अछि। ई
अंक 666 अछि।

बलि-भेँड़ा आ हुनकर मुक्त कयल लोक

14 तकरबाद हम आँखि ऊपर
उठौलहुँ, तँ देखलहुँ जे बलि-
भेँड़ा सियोन पहाड़ पर ठाढ़ छथि आ
हुनका संग एक लाख चौआलिस हजार
लोक छथि जिनका सभक कपार पर
बलि-भेँड़ाक नाम आ हुनकर पिताक
नाम लिखल छनि। **2** तखन हम स्वर्ग सँ
समुद्रक गरजनाइ जकाँ आ मेघक जोर
सँ तड़कनाइ जकाँ, आवाज सुनलहुँ।
हम जे आवाज सुनि रहल छलहुँ से एहन
छल जेना वीणा बजौनिहार सभ वीणा
बजा रहल होअय। **3** ओ सभ सिंहासनक
सम्मुख आ चारू जीवित प्राणी और
धर्मवृद्ध सभक सम्मुख एक नव गीत गाबि
रहल छलाह। ओहि एक लाख चौआलिस
हजार लोक जे सभ पृथ्वी पर सँ किनल
गेल छलाह, तिनका सभ कें छोड़ि, केओ
नहि ओहि गीत कें जानि सकैत छल। **4** ई
सभ ओ लोक छथि जे स्त्रीक संसर्ग सँ
दुषित नहि भेल छथि, किएक तँ ई सभ
अपना कें पवित्र रखने छथि। जतऽ कतौ
बलि-भेँड़ा जाइत छथि, ततऽ ई लोक
सभ हुनका संग चलैत छथि। हिनका
सभ कें फसिलक प्रथम फलक चढ़ौना
जकाँ परमेश्वर आ बलि-भेँड़ा कें विशेष
रूप सँ अर्पित होयबाक लेल मनुष्य सभ

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मे सँ किनल गेल छनि। 5हिनका सभक
मुँह सँ कहियो झूठ नहि बहरायल। ई सभ
निष्कलंक छथि।

तीन स्वर्गदूत

6 तकरबाद हम एक आओर स्वर्गदूत
कैं आकाशक बीच मे उड़ैत देखलियनि।
हुनका लग पृथ्वी पर रहनिहार प्रत्येक
जाति, कुल, भाषा आ राष्ट्रक लोक सभ
कैं सुनयबाक लेल अनन्त काल तक रहऽ
वला सनातन शुभ समाचार छलनि। 7ओ
ऊँच स्वर मे कहलनि, "परमेश्वरक भय
मानू आ हुनकर महिमाक गुणगान करू,
किएक तँ हुनकर न्याय करबाक समय
आबि गेल अछि। स्वर्ग, पृथ्वी, समुद्र
आ जलस्रोत सभक जे सृष्टि कयने छथि,
तिनकर आराधना करू।"

8 तकरबाद एक दोसर स्वर्गदूत
अयलाह आ कहलनि, "सर्वनाश भऽ
गेलैक! ओहि महान् बेबिलोन नगरक
जे अपन कुकर्मक काम-वासना वला
मदिरा सभ जाति कैं पिऔने छलैक, तकर
सर्वनाश भऽ गेलैक!"

9 फेर एक तेसर स्वर्गदूत अयलाह। ओ
ऊँच स्वर मे कहलनि, "जँ कोनो मनुष्य
जानबरक आ ओकर मूर्तिक पूजा करत
और अपन कपार वा हाथ पर ओकर छाप
लगबाओत, 10तँ ओकरा परमेश्वरक
क्रोधक ओ मदिरा पिबऽ पड़तैक जे बिनु
कोनो मिलावट कऽ हुनका क्रोधक बाटी
मे ढारल गेल अछि। ओ पवित्र स्वर्गदूत
सभ आ बलि-भेँड़ाक सम्मुख आगि आ
गन्धक मे घोर यातना भोगत। 11जे लोक
जानबर आ ओकर मूर्तिक पूजा करैत
अछि आ ओकर नामक छाप स्वीकार
करैत अछि तकर सभक यातनाक धुआँ
युगानुयुग तक उड़ैत रहत आ ओकरा सभ
कैं दिन-राति कखनो चैन नहि भेटतैक।"

12 एहि कारणेँ परमेश्वरक लोक
सभ कैं, अर्थात् तकरा सभ कैं, जे सभ
परमेश्वरक आज्ञाक पालन करैत अछि
आ यीशु पर विश्वास करऽ मे स्थिर रहैत
अछि, धैर्यक संग साहस रखनाइ जरूरी
अछि।

13 तखन हमरा स्वर्ग सँ एकटा
आवाज ई कहैत सुनाइ देलक जे, "ई
लिखह—आब ओ लोक सभ जे प्रभु पर
विश्वास कऽ कऽ मरैत अछि, से कतेक
धन्य अछि!" प्रभुक आत्मा ई कहैत छथि
जे, "हँ, ओ सभ अपन-अपन परिश्रम सँ
आराम पाओत, किएक तँ ओकरा सभक
सत्कर्म ओकरा सभक संग जयतैक।"

पृथ्वीक फसिल कटा गेल

14 फेर हम नजरि उठौलहुँ तँ देखैत
छी जे एक उज्जर मेघ अछि आ मेघ
पर मनुष्य-पुत्र सन केओ बैसल छथि।
हुनका सिर पर सोनाक मुकुट आ हाथ मे
एक तेज हाँसू छनि। 15तखन एक दोसर
स्वर्गदूत मन्दिर सँ बहरयलाह आ मेघ पर
बैसल व्यक्ति कैं ऊँच स्वर मे कहलथिन,
"अपन हाँसू चलाउ आ फसिल काटू,
किएक तँ कटनी करबाक समय भऽ
गेल अछि, पृथ्वीक फसिल पाकि गेल
अछि।" 16मेघ पर बैसल व्यक्ति पृथ्वी
पर अपन हाँसू घुमौलनि आ पृथ्वीक
फसिल कटा गेल।

17 तकरबाद एक दोसर स्वर्गदूत
स्वर्गक मन्दिर मे सँ बहरयलाह। हुनको
हाथ मे एकटा तेजगर हाँसू छलनि।
18एकटा आओर स्वर्गदूत, जिनका
आगि पर अधिकार छलनि, से वेदी लग

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

सँ आबि ऊँच स्वर मे ओहि स्वर्गदूत केँ
जे तेजगर हाँसू लेने छलाह, कहलथिन,
“अपन तेजगरहा हाँसू घुमाउ आ पृथ्वी
पर सँ अंगूरक गुच्छा सभ जमा कऽ लिअ,
किएक तँ ओ सभ पाकि गेल अछि।”
19ओ स्वर्गदूत अपन हाँसू घुमौलनि आ
पृथ्वी परक अंगूर सभ केँ काटि कऽ
परमेश्वरक क्रोध रूपी विशाल रसकुण्ड
मे राखि देलनि। 20ओ रसकुण्ड जे नगरक
बाहर छल, ताहि मे अंगूर सभ पयर सँ
पिचल गेल, और रसकुण्ड मे सँ जे खून
बहल से घोड़ाक लगामक उँचाइ तक
ऊँच, आ लगभग एक सय कोस दूर तक
पहुँचि गेल।

सात स्वर्गदूत—सात विपत्ति

15 हम स्वर्ग मे एक आओर
महत्वपूर्ण आ आश्चर्यजनक
चिन्ह देखलहुँ—सातटा स्वर्गदूत छलाह
जिनका लग सातटा विपत्ति छलनि। ई
अन्तिम विपत्ति सभ अछि, किएक तँ
एकरा सभ द्वारा परमेश्वरक क्रोध पूर्ण भऽ
कऽ समाप्त भऽ जाइत अछि।

2 आब हमरा आगि मिलायल सीसाक
समुद्र सन कोनो वस्तु देखाइ देलक। जे
लोक सभ जानबर पर, ओकर मूर्ति पर
आ ओकर नाम सँ सम्बन्धित अंक पर
विजय पौने छल, से सभ ओहि सीसाक
समुद्र पर ठाढ़ छल। ओकरा सभक हाथ
मे परमेश्वरक दिस सँ देल गेल वीणा
छलैक। 3ओ सभ परमेश्वरक सेवक
मूसाक गीत आ बलि-भेँड़ाक गीत गाबि
कऽ कहि रहल छल जे,

“हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर!
अहाँक काज सभ महान् आ अद्भुत
अछि।
हे युग-युगक राजा!
अहाँ जे किछु करैत छी से
न्यायसंगत आ सत्य अछि।
4हे प्रभु, के अहाँक भय नहि मानत
आ अहाँक महिमाक गुणगान नहि
करत?
किएक तँ अहींटा पवित्र छी।
सभ जातिक लोक सभ आबि कऽ
अहाँक आराधना करत,
किएक तँ अहाँक न्यायसंगत काज
सभ प्रगट भऽ गेल अछि।”

5 तकरबाद हम आँखि ऊपर उठौलहुँ,
तँ देखलहुँ जे स्वर्ग मेहक मन्दिर, अर्थात्
साक्षीक मण्डप, खोलल गेल, 6आ ओहि
मे सँ ओ सातटा विपत्ति लऽ कऽ सातो
स्वर्गदूत बहरयलाह। ओ सभ साफ आ
चमकऽ वला मलमलक वस्त्र पहिरने
छलाह आ हुनका सभक छाती पर सोनाक
चौड़ा पट्टी बान्हल छलनि। 7तखन ओहि
चारू जीवित प्राणी मे सँ एक प्राणी ओहि
सात स्वर्गदूत केँ सोनाक सातटा कटोरा
देलथिन जे युगानुयुग जीवित रहऽ वला
परमेश्वरक क्रोध सँ भरल छल। 8आब
मन्दिर परमेश्वरक महिमा आ सामर्थ्यक
कारणेँ धुआँ सँ भरि गेल। जा धरि ओहि
सात स्वर्गदूतक सातो विपत्ति सभ समाप्त
नहि भऽ गेल, ता धरि केओ मन्दिर मे
प्रवेश नहि कऽ सकल।

16 तखन हम मन्दिर मे सँ ऊँच स्वर
मे एक आवाज सुनलहुँ जे ओहि
सातो स्वर्गदूत केँ कहि रहल छलनि,
“जाह, परमेश्वरक क्रोध सँ भरल ओ
सातो कटोरा पृथ्वी पर उझिलि दहक।”
2एहि पर पहिल स्वर्गदूत जा कऽ अपन
कटोरा पृथ्वी पर उझिलि देलनि। ओहि
सँ जाहि लोक पर जानबरक छाप लागल

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

छल आ जे सभ ओकर मूर्तिक पूजा करैत छल, तकरा सभक शरीर मे घृणित आ दुःखदायी फोंका बहरा गेलैक।

3 दोसर स्वर्गदूत अपन कटोरा समुद्र मे उझिललनि, तँ समुद्रक पानि मरल मनुष्यक खून जकाँ खूने-खून भऽ गेल आ ओहि मेहक प्रत्येक जीव-जन्तु मरि गेल।

4 तेसर स्वर्गदूत अपन कटोरा नदी सभ पर आ जलक स्रोत सभ पर उझिललनि; ओहो सभ खून बनि गेल। **5** तखन हम ओहि स्वर्गदूत केँ, जिनका जल पर अधिकार छनि, ई कहैत सुनलहुँ, “हे पवित्र परमेश्वर, अहाँ, जे छी आ जे छलहुँ, अहाँ न्यायी छी, अहाँक ई निर्णय सभ न्यायसंगत अछि। **6** जे सभ अहाँक लोक सभक आ अहाँक प्रवक्ता सभक खून बहौने छल, तकरा सभ केँ अहाँ पिबाक लेल खूने देलहुँ। ओकरा सभ केँ ई दण्ड भेटनाइ उचिते छल।” **7** तखन हम फेर वेदी लग सँ एकटा आवाज केँ ई कहैत सुनलहुँ, “हँ, हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर, अहाँक निर्णय सभ निश्चय उचित आ न्यायसंगत अछि।”

8 चारिम स्वर्गदूत अपन कटोरा सूर्य पर उझिलि देलनि। सूर्य केँ शक्ति देल गेलैक जे ओ मनुष्य सभ केँ अपन आगिक ताप सँ झरकाबय। **9** मनुष्य सभ प्रचण्ड ताप सँ झरकऽ लागल। ओ सभ विपत्ति सभ पर अधिकार रखनिहार परमेश्वरक नामक निन्दा कयलक, मुदा अपना पापक लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन नहि कयलक आ परमेश्वरक स्तुति नहि करऽ चाहलक।

10 पाँचम स्वर्गदूत अपन कटोरा जानबरक सिंहासन पर उझिलि देलनि। एहि सँ ओकर सम्पूर्ण राज्य मे अन्हार पसरि गेलैक आ पीड़ाक कारणेँ लोक सभ अपन जीह दाँत सँ काटऽ लागल। **11** ओ सभ अपन पीड़ा आ फोंका सभक कारणेँ स्वर्ग मे विराजमान रहऽ वला परमेश्वरक निन्दा कयलक, मुदा अपन अधलाह काज सभक लेल पश्चात्ताप कऽ कऽ हृदय-परिवर्तन नहि कयलक।

12 छठम स्वर्गदूत अपन कटोरा फरात महा-नदी पर उझिलि देलनि। फरात नदीक जल सुखा गेल जाहि सँ पूब दिसक राजा सभक लेल अयबाक बाट तैयार भऽ जाइक। **13** तकरबाद हम अजगरक मुँह सँ, जानबरक मुँह सँ आ झुट्ठा भविष्यवक्ताक मुँह सँ तीनटा दुष्टात्मा* केँ, जे देखऽ मे बेङ जकाँ लगैत छल, बहराइत देखलहुँ। **14** ई सभ चमत्कार देखाबऽ वला दुष्टात्मा सभ अछि। ओ सभ समस्त संसारक राजा सभ लग जा कऽ ओकरा सभ केँ जमा करैत अछि जाहि सँ “सर्वशक्तिमान परमेश्वरक महान् दिन” अयला पर ओ सभ युद्ध करय। **15** “देखह, हम चोर जकाँ आबि रहल छी! धन्य अछि ओ जे जागल रहैत अछि आ अपन वस्त्र अपना संग रखैत अछि जाहि सँ ओ नाङट नहि बहराय आ लोक ओकर नग्नता नहि देखैक।” **16** ओ अशुद्ध आत्मा सभ राजा सभ केँ ओहि स्थान पर जमा कयलक जे इब्रानी भाषा मे हर-मगिदोन कहबैत अछि।

17 तखन सातम स्वर्गदूत अपन कटोरा हवा मे उझिललनि। मन्दिरक सिंहासन सँ बहुत जोरक आवाज मे ई कहैत सुनाइ देलक, “समाप्त भऽ गेल!”

16:13 मूल मे, “अशुद्ध आत्मा”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

18एहि पर बिजुली चमकऽ लागल, मेघक
गोंगिअयबाक आ तड़कबाक आवाज
होमऽ लागल आ बहुत भारी भूकम्प
भेल। ओ भूकम्प एतेक भारी छल जे
पृथ्वी पर मनुष्यक उत्पत्ति सँ लऽ कऽ
आइ तक कहियो नहि ओहन भूकम्प
भेल छल। 19ओहि भूकम्प सँ महानगरक
तीन टुकड़ा भऽ गेल आ संसारक राष्ट्र
सभक नगर सभ खण्डहर भऽ गेल।
परमेश्वर महानगर बेबिलोन केँ स्मरण
कयलनि और अपन भयंकर क्रोधक
मदिरा ओकरा पिऔलनि। 20सभ द्वीप
विलीन भऽ गेल आ पहाड़ सभक पता
नहि चलल। 21आकाश सँ मन-मन भरि
केँ बड़का-बड़का पाथर मनुष्य सभ पर
खसऽ लागल। पाथरक वर्षाक कारणेँ
मनुष्य सभ परमेश्वरक निन्दा कयलक,
किएक तँ ई विपत्ति अत्यन्त भयंकर छल।

महावेश्याक वर्णन

17 जाहि सात स्वर्गदूत लग सातटा
कटोरा छलनि ताहि मे सँ एकटा
स्वर्गदूत हमरा लग आबि कऽ कहलनि,
“एतऽ आउ, हम अहाँ केँ देखायब जे
ओहि महावेश्या केँ कोना कऽ दण्डित
कयल जायत जे बहुतो नदी-नहरिक पानि
पर बैसल अछि। 2ओकरा संग पृथ्वीक
राजा सभ कुकर्म कयलक आ पृथ्वीक
निवासी सभ ओकर कुकर्मक मदिरा पिबि
कऽ माति गेल अछि।” 3तकरबाद ओ
स्वर्गदूत हमरा प्रभुक आत्माक नियन्त्रण
मे राखि कऽ मरुभूमि मे लऽ गेलाह। हम
ओतऽ एक स्त्रीगण केँ एक लाल जानबर
पर बैसल देखलहुँ। जानबरक सम्पूर्ण
शरीर पर परमेश्वरक निन्दा करऽ वला
नाम सभ लिखल छल। ओकरा सातटा
मूड़ी आ दसटा सींग छलैक। 4ओ स्त्री
बेगनी आ लाल रंगक वस्त्र पहिरने छलि
आ सोन, बहुमूल्य पाथर आ मोती सभ
सँ सुसज्जित छलि। ओ हाथ मे सोनाक
लोटा लेने छलि जे घृणित वस्तु सभ सँ
आ ओकर वेश्यावृत्तिक अशुद्धता सँ
भरल छलैक। 5ओकरा कपार पर एक
रहस्यमय नाम अंकित छलैक—“महान्
बेबिलोन, पृथ्वीक वेश्या सभ आ घृणित
वस्तु सभक माय।” 6हम देखलहुँ जे ओ
स्त्री परमेश्वरक लोक सभक खून पिबि
कऽ माति गेल अछि। ओ तिनका सभक
खून पिबि लेने छल, जे सभ यीशुक लेल
गवाही देबाक कारणेँ मारल गेल छलाह।
हम ओकरा देखि कऽ अत्यन्त चकित भऽ
गेलहुँ।

वेश्याक आ जानबरक व्याख्या

7 तखन ओ स्वर्गदूत हमरा कहलनि,
“अहाँ किएक चकित होइत छी? हम
अहाँ केँ ओहि स्त्रीक रहस्य बुझा दैत
छी आ ओहि जानबरक सेहो, जाहि पर
ओ सवार अछि, जकरा सातटा मूड़ी आ
दसटा सींग छैक। 8जाहि जानबर केँ अहाँ
देखलहुँ से पहिने छल, आब नहि अछि,
आ अथाह कुण्ड मे सँ निकलऽ वला अछि;
ओ निकलत आ नष्ट कयल जायत। मुदा
पृथ्वीक ओ निवासी सभ जकरा सभक
नाम सृष्टिक आरम्भहि सँ जीवनक पुस्तक
मे नहि लिखल गेल अछि, से सभ ई देखि
कऽ आश्चर्य मे पड़ि जायत जे ओ जानबर
पहिने छल, तखन नहि छल, और फेर
आबि गेल अछि। 9एकरा बुझबाक लेल
विवेकपूर्ण बुद्धिक आवश्यकता अछि। ओ
सातटा मूड़ी सातटा पहाड़ अछि जाहि पर
ओ स्त्री बैसल अछि। 10ओ सभ सातटा

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

राजा सेहो अछि जाहि मे सँ पाँचटाक पतन भऽ गेल अछि, एकटा एखन अछि आ दोसर एखनो आयल नहि अछि, मुदा जखन ओ आओत तँ किछुए समय तक रहि पाओत। 11 ओ जानबर जे पहिने छल आ आब नहि अछि, से आठम राजा अछि। मुदा वास्तव मे ओ ओही सात राजाक समूह मेहक अछि, और ओकर विनाश निश्चित अछि।

12 "अहाँ जे दस सींग देखलहुँ, से दसटा राजा अछि। ओकरा सभ कें एखन तक राज्य-सत्ता नहि भेटल छैक, मुदा ओकरा सभ कें घड़ी भरिक लेल मात्रे ओहि जानबरक संग राज्याधिकार देल जयतैक। 13 ओकरा सभक एकेटा उद्देश्य छैक और तकरा लेल ओ सभ अपन शक्ति आ अधिकार ओहि जानबर कें सौंपि देतैक। 14 ओ सभ बलि-भेँड़ाक संग युद्ध करत आ बलि-भेँड़ा ओकरा सभ पर विजयी भऽ जयताह, किएक तँ ओ प्रभु सभक प्रभु आ राजा सभक राजा छथि। हुनका संग ओ लोक सभ रहत जे सभ हुनकर बजाओल गेल, चुनल गेल आ विश्वासयोग्य लोक सभ अछि।"

15 तकरबाद स्वर्गदूत हमरा कहलनि, "नदी-नहरि सभक ओ पानि जे अहाँ देखलहुँ आ जाहि पर वेश्या बैसल अछि, से सभ अनेक राष्ट्र, विशाल जनसमूह, जाति-जातिक लोक आ विभिन्न भाषाक लोक सभ अछि। 16 अहाँ जाहि जानबर कें आ दसटा सींग कें देखलहुँ से सभ ओहि वेश्याक शत्रु बनि जायत। ओ सभ ओकरा उजाड़ कऽ कऽ नाङट कऽ देतैक। ओकर माँसु खा जयतैक आ ओकरा आगि मे जरा देतैक। 17 किएक तँ जाबत तक परमेश्वरक कहल बात पूरा नहि भऽ जानि, ताबत तक परमेश्वर अपन उद्देश्य पूरा करयबाक लेल ओहि राजा सभ कें एहि बात मे एकमत रहबाक भावना देथिन जे हम सभ अपन राजकीय अधिकार जानबर कें सौंपने रहब। 18 अहाँ जाहि स्त्री कें देखलहुँ, से ओ महानगर अछि जे पृथ्वीक राजा सभ पर राज्य करैत अछि।"

बेबिलोन महानगरक सर्वनाशक घोषणा

18 तकरबाद हम एक आओर स्वर्गदूत कें स्वर्ग सँ उतरैत देखलहुँ। हुनका लग पैघ अधिकार छलनि आ हुनकर तेज सँ धरती प्रकाशित भऽ गेल। 2 ओ ऊँच स्वर मे बजलाह,

"सर्वनाश भऽ गेलैक! महानगर
बेबिलोनक सर्वनाश भऽ गेलैक!
ओ दुष्टात्मा सभक निवास स्थान,
सभ प्रकारक अशुद्ध आत्माक अड्डा
आ प्रत्येक अशुद्ध आ घृणित चिड़ैक
अखाढ़ा बनि गेल अछि।
3 किएक तँ सभ जातिक लोक ओकर
कुकर्मक काम-वासना वला
मदिरा पिने अछि,
पृथ्वीक राजा सभ ओकरा संग
कुकर्म कयने अछि
आ पृथ्वीक व्यापारी सभ ओकर
अपार भोग-विलास करबाक
कारणेँ धनवान भऽ गेल अछि।"

4 हमरा स्वर्ग सँ फेर एक दोसर आवाज ई कहैत सुनाइ देलक,

"हौ हमर प्रजा! ओहि महानगर मे सँ
निकलि आबह
जाहि सँ तोँ सभ ओकर पाप सभक
सहभागी नहि बनह
आ ओकरा पर आबऽ वला विपत्ति
सभ तोरा सभ पर नहि औतह

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

5 किएक तँ ओकर पापक ढेरी स्वर्ग
तक पहुँचि गेल अछि
आ परमेश्वर ओकर अपराध सभ कें
नहि बिसरल छथि।
6 जहिना ओ अनका संग कयने अछि,
तहिना तोँहूँ सभ ओकरा संग
करह।
ओकर सभ काजक लेल ओकरा सँ
दुगुना बदला लैह।
जाहि लोटा मे ओ अनका लेल मदिरा
मिला कऽ पिऔने अछि
ताहि मे ओकरा लेल दुगुना मिला
कऽ पिया दहक।
7 ओ जतबा अपन बड़ाइ कयलक आ
सुख-विलास कयलक
ततबा ओकरा यातना आ पीड़ा
दहक।
किएक तँ ओ अपना मोन मे कहैत
अछि जे,
‘हम रानी भऽ कऽ सिंहासन पर
विराजमान छी।
हम विधवा नहि छी। हम कहियो
शोक मे नहि पड़ब।’
8 एहि कारणेँ एके दिन मे ओकरा पर ई
सभटा विपत्ति औतैक—
मृत्यु*, शोक आ अकाल।
ओ आगि मे भस्म कयल जायत,
किएक तँ ओकर न्याय करऽ वला,
प्रभु-परमेश्वर, सामर्थी छथि।

बेबिलोनक लेल पृथ्वीक शोकगीत

9 “पृथ्वीक राजा, जे सभ ओकरा संग
कुकर्म कयलक आ ओकरा संग भोग-
विलासक जीवन व्यतीत कयलक, से
सभ जखन ओकर जरबाक धुआँ देखत
तँ ओकरा लेल कानत आ शोक करत।
10 ओकरा पीड़ा कें देखि कऽ ओ सभ
भयभीत भऽ जायत आ दूरे सँ ठाढ़ भऽ
कऽ कहत,
‘हे महान् बेबिलोन! हाय! हाय!
हे शक्तिशाली महानगर!
तोरा घड़िए भरि मे दण्ड दऽ देल
गेलह।’ ”

11 पृथ्वीक व्यापारी सभ ओकरा
लेल कानत आ शोक करत, किएक
तँ आब ओकरा सभक माल केओ नहि
किनतैक— 12 अर्थात् ओकरा सभक
सोन, चानी, बहुमूल्य पाथर आ मोती;
ओकरा सभक नीक मलमल, बैगनी
कपड़ा, रेशमी आ लाल वस्त्र; अनेक
प्रकारक सुगन्धित काठ; हाथीक दाँत
सँ, बहुमूल्य काठ सभ सँ, पित्तरि, लोहा
आ संगमरमर सँ बनल हर प्रकारक वस्तु;
13 ओकरा सभक दालिचीनी, मसल्ला,
धूप, इत्र आ सुगन्धित तेल; मदिरा,
जैतूनक तेल, मैदा आ गहुम; गाय-बड़द
आ भेँड़ा, घोड़ा आ रथ; गुलाम—हँ,
मनुष्यो सभ।

14 ओ सभ कहत, “हे बेबिलोन, जाहि
फल प्राप्तिक तोँ कामना कयने छलह,
से तोरा सँ दूर चल गेलह। तोहर सम्पूर्ण
वैभव आ तड़क-भड़कक सर्वनाश भऽ
गेलह। तोँ ई सभ फेर नहि देखबह।”
15 एहि वस्तु सभक व्यापारी सभ, जे सभ
ओहि नगरक कारणेँ धनवान भऽ गेल
छल, से सभ आब ओकर यातना देखि
कऽ भयभीत भऽ दूरे सँ ठाढ़ भऽ कानि-
कानि कऽ शोक करत, 16 आ कहत,

18:8 वा, “महामारी”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

"एहि महानगरक लेल हाय, हाय!
जे नीक मलमल, बैगनी आ लाल
रंगक वस्त्र पहिरैत छलि,
आ सोन, बहुमूल्य पाथर आ मोती
सभ सँ विभूषित छलि!
17 एकर सम्पूर्ण वैभव घड़िए भरि मे
माटि मे मिलि गेलैक!"

प्रत्येक जहाजक कप्तान, प्रत्येक जलयात्री, नाव चलाबऽ वला सभ आ ओ सभ लोक जे सभ समुद्र सँ जीविका चलबैत अछि, सभ दूरे ठाढ़ रहत, 18 आ ओकर जरबाक धुआँ देखि कऽ चिचिया उठत जे, "एहि महानगर जकाँ और कोन नगर छल?" 19 ओ सभ अपना मूड़ी पर गर्दा राखत आ कन्ना-रोहटि करैत कहत,

"एहि महानगरक लेल हाय, हाय!
ई, जकरा वैभव सँ जहाजक मालिक
सभ धनिक भऽ गेल,
से महानगर आब घड़ी भरि मे उजाड़
भऽ गेल!"

बेबिलोनक विनाश सँ स्वर्ग मे आनन्द

20 "हे स्वर्ग, ओकर पराजय सँ आनन्द
मनाउ!
हे पवित्र लोक सभ, मसीह-दूत
लोकनि आ परमेश्वरक प्रवक्ता
सभ, आनन्द मनाउ!
किएक तँ जे व्यवहार ओ अहाँ
सभक संग कयने छलि,
तकरा लेल परमेश्वर ओकरा
दण्डित कऽ देलथिन।"

21 तखन एक बलवान स्वर्गदूत जाँतक चक्की सन एक विशाल पाथर उठौलनि आ समुद्र मे फेकैत कहलनि,

"एही तरहेँ महानगर बेबिलोन सेहो
बलपूर्बक नीचाँ फेकि देल
जायत
आ ओकर पता कहियो नहि चलत।
22 वीणा बजौनिहारक, गबैयाक, बाँसुरी
बजौनिहारक आ धुतहू फुकऽ
वला सभक आवाज
तोरा मे कहियो नहि सुनाइ पड़त।
कोनो व्यवसायक कारीगर फेर
कहियो तोरा मे नहि पाओल
जायत।
जाँत चलबाक आवाज आब तोरा
मे
कहियो नहि सुनाइ देत।
23 डिबियाक प्रकाश तोरा मे फेर
कहियो नहि देखल जायत।
वर आ कनियाँक बजनाइ तोरा मे
कहियो नहि सुनाइ पड़त।
तोहर व्यापारी सभ संसारक सामर्थी
व्यक्ति बनि गेल छल
आ तोहर जादू-टोना सँ सभ जातिक
लोक ठकल गेल छल।
24 ओकरा मे प्रभुक प्रवक्ता सभ आ
पवित्र लोक सभक खून पाओल
गेल,
हँ, ओहि सभ लोकक खून, जे सभ
पृथ्वी पर वध कयल गेल
छल।"

19 तकरबाद हम स्वर्ग मे विशाल जनसमूहक आवाज जकाँ ऊँच स्वर मे ई कहैत सुनलहुँ जे,

"परमेश्वरक स्तुति होनि!*
उद्धार, महिमा आ सामर्थ्य हमरा
सभक परमेश्वरेक छनि।

19:1 मूल मे "हालेलूयाह!" तहिना पद 3 आ 6 मे सेहो।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

2 किएक तँ हुनकर सभ निर्णय उचित
आ न्यायसंगत अछि।
सम्पूर्ण पृथ्वी केँ अपन वेश्यावृत्ति
सँ भ्रष्ट करऽ वाली ओहि
महावेश्या केँ ओ दण्डित
कयलथिन।
ओ ओकरा सँ अपन सेवक सभक
खूनक बदला लऽ लेलथिन।”
3 ओ सभ फेर ऊँच आवाज मे बजलाह,
“परमेश्वरक स्तुति होनि!
ओहि महानगरक जरबाक धुआँ
अनन्त काल तक ऊपर उठैत
रहत।”
4 तखन चौबीसो धर्मवृद्ध आ चारू
जीवित प्राणी दण्डवत करैत सिंहासन
पर विराजमान परमेश्वरक आराधना
कयलनि आ बजलाह,
“हँ, एहिना होअय! परमेश्वरक
स्तुति होनि!” *
5 तकरबाद सिंहासन सँ एक आवाज ई
कहैत सुनाइ देलक जे,
“हे परमेश्वरक सेवक सभ,
हुनकर भय मानऽ वला सभ लोक,
चाहे छोट होअय वा पैघ,
अपना सभक परमेश्वरक स्तुति
करू!”

बलि-भेँड़ाक विवाह-उत्सव

6 तखन हम एक विशाल जनसमूहक
आवाज वा समुद्रक लहरिक आवाज वा
गर्जन करैत मेघक आवाज जकाँ ई कहैत
सुनलहुँ,
“परमेश्वरक स्तुति होनि!
किएक तँ प्रभु, अपना सभक
सर्वशक्तिमान परमेश्वर, राज्य
कऽ रहल छथि।
7 अबैत जाउ, अपना सभ आनन्दित
आ हर्षित होइ
आ हुनकर महिमाक गुणगान
करियनि!
किएक तँ बलि-भेँड़ाक विवाह-
उत्सवक समय आबि गेल
अछि;
हुनकर दुल्हिन अपना केँ तैयार कऽ
लेने छथि।
8 हुनका पहिरबाक लेल
साफ आ चमकैत नीक मलमलक
वस्त्र देल गेल छनि।”
नीक मलमलक वस्त्र प्रभुक लोक सभक
धार्मिक काजक प्रतीक अछि।
9 तकरबाद ओ स्वर्गदूत हमरा कहलनि,
“ई लिखू—धन्य छथि ओ सभ जे सभ
बलि-भेँड़ाक विवाह-भोज मे निमन्त्रित
भेल छथि!” ओ हमरा फेर कहलनि, “ई
परमेश्वरक सत्य वचन अछि।”
10 तखन हम हुनकर आराधना करबाक
लेल हुनका चरण पर खसि पड़लहुँ। मुदा
ओ हमरा कहलनि, “एना नहि करू! हम तँ
अहाँ जकाँ आ अहाँक भाय सभ जकाँ, जे
सभ यीशुक विषय मे देल गेल गवाही पर
स्थिर छथि, दासे छी। अहाँ परमेश्वरक
आराधना करू, किएक तँ जे केओ यीशुक
विषय मे गवाही दैत छथि, तिनका प्रवक्ता
जकाँ परमेश्वरे सँ प्रेरणा भेटैत छनि।” *

19:4 मूल मे, “आमीन! हालेलूयाह!” **19:10** वा, “किएक तँ जे परमेश्वरक प्रवक्ता अछि, से यीशुक विषय मे देल गेल गवाही सँ प्रेरित होइत अछि।” वा, “किएक तँ भविष्यवाणी करबाक उद्देश्य अछि यीशुक विषय मे गवाही देनाइ।”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

"राजा सभक राजा आ प्रभु सभक प्रभु"—मसीहक विजय

11 तखन हम देखलहुँ जे स्वर्ग खुजल
अछि। हमरा एक उज्जर घोड़ा देखाइ
देलक आ ओहि पर जे सवार छलाह से
"विश्वासयोग्य" आ "सत्य" कहबैत
छथि। ओ न्यायक अनुसार उचित फैसला
करैत छथि आ उचित युद्ध करैत छथि।
12 हुनकर आँखि आगि जकाँ धधकैत
छनि। हुनका सिर पर बहुते राजमुकुट
छनि। हुनका शरीर पर एक नाम लिखल
अछि जकरा हुनका छोड़ि आओर केओ
नहि जनैत अछि। **13** ओ खून मे डुबाओल
वस्त्र पहिरने छथि आ हुनकर नाम छनि
"परमेश्वरक वचन"। **14** स्वर्गक सेना
सभ उज्जर चमकैत नीक मलमलक वस्त्र
पहिरने, उज्जर घोड़ा पर सवार हुनका
पाछाँ-पाछाँ चलि रहल अछि। **15** जाति-
जाति कैं मारबाक लेल हुनका मुँह सँ
एक तेज तरुआरि बहरायल अछि। "ओ
ओकरा सभ पर लोहाक राजदण्ड सँ
शासन करताह।"* ओ सर्वशक्तिमान
परमेश्वरक भयानक क्रोध रूपी मदिराक
रसकुण्ड मे अंगूर कैं धाँगि दैत छथि।
16 हुनका वस्त्र आ हुनका जाँघ पर ई नाम
लिखल अछि, "राजा सभक राजा आ प्रभु
सभक प्रभु।"

17 फेर हम एक स्वर्गदूत कैं सूर्य मे ठाढ़
देखलहुँ। ओ ऊँच स्वर मे आकाशक बीच
उड़ऽ वला सभ चिड़ै कैं सोर पारलनि,
"अबै जो, परमेश्वरक महाभोजक लेल
जमा होइत जो। **18** तोरा सभ कैं राजा
सभक, सेनापति सभक, शक्तिशाली
पुरुष सभक, घोड़ा आ घोड़सवार
सभक, आ सभ लोकक—स्वतन्त्र, दास,
छोट, पैघ—सभक माँसु खयबाक लेल
भेटतौक।"

19 तकरबाद हम जानबर कैं आ
पृथ्वीक राजा सभ कैं और ओकरा सभक
सेना सभ कैं ओहि घोड़सवार आ हुनकर
सेना सभ सँ युद्ध करबाक लेल जमा भेल
देखलहुँ। **20** ओ जानबर पकड़ल गेल
आ ओकरा संग ओ झुट्ठा भविष्यवक्ता
सेहो, जे ओकर सेवा करैत चमत्कार
सभ देखौने छल। एहि चमत्कार सभ
द्वारा ओ ओहि लोक सभ कैं बहकौने
छल जे सभ जानबरक छाप ग्रहण कयने
छल आ ओकर मूर्तिक पूजा कयने छल।
जानबर आ झुट्ठा भविष्यवक्ता कैं गन्धक
सँ धधकैत आगिक कुण्ड मे जीविते
फेकि देल गेलैक। **21** बाँकी लोक ओहि
घोड़सवारक मुँह सँ बहराइत तरुआरि सँ
मारल गेल आ सभ चिड़ै ओकरा सभक
माँसु खा कऽ अघा गेल।

हजार वर्षक राज्य

20 तकरबाद हम एक स्वर्गदूत कैं
स्वर्ग सँ नीचाँ अबैत देखलहुँ।
हुनका हाथ मे अथाह कुण्डक कुंजी आ
बड़काटा जंजीर छलनि। **2** ओ ओहि
अजगर कैं, अर्थात् प्राचीन समयक
ओहि साँप कैं, जे महादुष्ट वा शैतान
अछि, पकड़ि कऽ एक हजार वर्षक लेल
बान्हि देलनि। **3** ओकरा अथाह कुण्ड मे
फेकि कऽ बन्द कऽ देलनि आ ओहि पर
मोहर मारि देलनि जाहि सँ जा धरि एक
हजार वर्ष बिति नहि जाय, ता धरि ओ

19:15 भजन 2.9

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जाति-जातिक लोक सभ कैँ आओर नहि
बहका सकय। तकरबाद ओकरा किछु
समयक लेल छोड़ल गेनाइ आवश्यक
अछि। 4तखन हम सिंहासन सभ
देखलहुँ। जे सभ ओहि पर बैसल छलाह,
तिनका सभ कैँ न्याय करबाक अधिकार
देल गेल छलनि। हम ओहि लोक सभक
आत्मा सभ कैँ देखलहुँ जिनका सभक
सिर यीशुक गवाही देबाक कारणेँ आ
परमेश्वरक वचन सुनयबाक कारणेँ
काटि देल गेल छलनि। ओ सभ ने तँ
ओहि जानबरक आ ने ओकर मूर्तिक
पूजा कयने छलाह, ने अपना कपार वा
हाथ पर ओकर छाप लगबौने छलाह।
ओ सभ फेर जीवित भऽ हजार वर्ष
तक मसीहक संग राज्य कयलनि। 5ई
पहिल जीबि उठनाइ अछि। बाँकी मरल
लोक सभ हजार वर्ष समाप्त भेलाक
बादे जीवित भेल। 6धन्य आ पवित्र
छथि ओ सभ, जे पहिल जीबि उठनाइ
मे सहभागी छथि। एहन लोक सभ पर
दोसर मृत्युक कोनो प्रभाव नहि पड़त।
ओ सभ परमेश्वर आ मसीहक सेवाक
लेल पुरोहित होयताह आ हुनका संग
हजार वर्ष तक राज्य करैत रहताह।

शैतानक पराजय

7 हजार वर्ष पुरि गेलाक बाद शैतान कैँ
अपन बन्हन सँ मुक्त कऽ देल जयतैक।
8ओ पृथ्वीक चारू कोनाक राष्ट्र सभ
कैँ, अर्थात् “गोग” आ “मागोग”* कैँ
बहकयबाक लेल आ युद्धक लेल जमा
करबाक हेतु निकलत। ओकरा सभक
संख्या समुद्रक बालु जकाँ असंख्य
रहतैक। 9ओ सभ सम्पूर्ण पृथ्वी पर
पसरि कऽ परमेश्वरक लोक सभक
निवास स्थान कैँ, अर्थात्, परमेश्वरक
प्रिय नगर कैँ, घेरि लेलक। मुदा स्वर्ग सँ
आगि बरसल आ ओकरा सभ कैँ भस्म
कऽ देलकैक। 10तखन शैतान, जे ओकरा
सभ कैँ बहकौने छलैक, तकरा आगि
आ गन्धकक कुण्ड मे फेकि देल गेलैक,
जाहिठाम जानबर आ झुट्ठा भविष्यवक्ता
कैँ फेकल गेल छलैक। ओ सभ दिन-राति
अनन्त काल धरि अत्यन्त कष्ट भोगैत
रहत।

मुइल सभक न्याय

11 तकरबाद हम एक विशाल उज्जर
सिंहासन आ ओहि पर विराजमान
व्यक्ति कैँ देखलहुँ। हुनका सोझाँ सँ
पृथ्वी आ आकाश लुप्त भऽ गेल और
ओकर कोनो नामो-निशान नहि रहल।
12तखन हम छोट-पैघ, सभ मरल लोक
कैँ सिंहासनक सम्मुख ठाढ़ देखलहुँ आ
पुस्तक सभ खोलल गेल। तकरबाद एक
आओर पुस्तक खोलल गेल जे जीवनक
पुस्तक अछि। मरल सभक कयल कर्म,
जे पुस्तक सभ मे लिखल गेल छलैक,
ताहि अनुसार ओकरा सभक न्याय कयल
गेलैक। 13समुद्र ओहि मरल सभ कैँ जे
ओकरा मे छल, प्रस्तुत कयलक। तखन

20:8 “गोग और मागोग”—ई नाम सभ ओहि सभ राष्ट्रक प्रतीकात्माक नाम अछि जे परमेश्वरक आ हुनकर लोकक विरोध करत। बाइबलक पुरान नियमक यहेजकेल पुस्तकक 38-39 अध्याय मे सेहो एकर चर्चा होइत अछि।

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

मृत्यु आ पाताल* अपन-अपन मरल सभ
कें प्रस्तुत कयलक। ओकरा सभ मे सँ
प्रत्येक व्यक्तिक न्याय ओकरा कर्मक
अनुसार कयल गेलैक। 14तकरबाद
मृत्यु आ पाताल, दूनू कें आगिक कुण्ड
मे फेकि देल गेलैक। ई आगिक कुण्ड
दोसर मृत्यु अछि। 15जकरा सभक नाम
जीवनक पुस्तक मे लिखल नहि भेटलैक
तकरा सभ कें आगिक कुण्ड मे फेकि देल
गेलैक।

"सभ किछु हम नव बना दैत छी!"

21 तखन हम एक नव आकाश
आ एक नव पृथ्वी देखलहुँ।
पुरान आकाश आ पुरान पृथ्वी, दूनू
लुप्त भऽ गेल छल आ आब समुद्रो नहि
रहल। 2तकरबाद हम पवित्र नगर, नव
यरूशलेम, कें स्वर्ग सँ परमेश्वर लग सँ
उतरैत देखलहुँ। ओ अपन वरक लेल
श्रृंगार कयल गेल नव कनियाँ जकाँ
सजाओल गेल छल। 3तखन हमरा
सिंहासन सँ एक आवाज जोर सँ ई
कहैत सुनाइ पड़ल, "देखू, परमेश्वरक
निवास आब मनुष्यक बीच मे छनि।
परमेश्वर ओकरा सभक संग निवास
करताह। ओ सभ हुनकर प्रजा होयत आ
परमेश्वर अपने ओकरा सभक बीच रहि
कऽ ओकरा सभक परमेश्वर होयथिन।
4ओ ओकरा सभक आँखिक सभ नोर
पोछि देथिन। तकरबाद ने मृत्यु रहत,
ने शोक, ने विलाप आ ने कष्ट, किएक
तँ पहिलुका बात सभ समाप्त भऽ गेल
अछि।"

5 तकरबाद सिंहासन पर जे विराजमान
छलाह, से व्यक्ति हमरा कहलनि,
"देखू, सभ किछु हम नव बना दैत
छी।" तखन ओ हमरा कहलनि, "ई
बात सभ लिखू, किएक तँ ई सत्य अछि
और एहि पर भरोसा राखल जा सकैत
अछि।" 6ओ हमरा फेर कहलनि, "पूर्ण
भऽ गेल! हम अल्फा और ओमेगा*,
अर्थात् शुरुआत आ अन्त छी। जे केओ
पियासल होअय तकरा हम मङनी मे
जीवनक जलक सोता सँ पिअयबैक।
7जे सभ विजयी होयत, से सभ ई बात
सभ प्राप्त करबाक अधिकारी होयत।
हम ओकरा सभक परमेश्वर होयबैक
आ ओ सभ हमर पुत्र होयत। 8मुदा
डरपोक सभक, अविश्वासी सभक,
घृणित लोकक, हत्यारा सभक, अनैतिक
शारीरिक सम्बन्ध राखऽ वला सभक,
जादू-टोना कयनिहार सभक, मुरुतक
पूजा कयनिहार सभक आ सभ झूठ
बजनिहारक स्थान ओहि आगिक कुण्ड
मे होयतैक जे गन्धक सँ धधकैत रहैत
अछि। यैह अछि दोसर मृत्यु।"

9 तकरबाद जाहि सात स्वर्गदूत सभ
लग सातटा अन्तिम विपत्ति सँ भरल
सात कटोरा छलनि, तिनका सभ मे सँ
एक गोटे हमरा लग आबि कऽ कहलनि,
"एतऽ आउ, हम अहाँ कें दुल्हिन, अर्थात्
बलि-भेँड़ाक स्त्रीक दर्शन करायब।"
10तखन ओ हमरा प्रभुक आत्माक
नियन्त्रण मे राखि कऽ एक विशाल आ
उँचगर पहाड़ पर लऽ जा कऽ पवित्र
नगर, अर्थात् यरूशलेम, देखौलनि। ओ

20:13 मूल मे, "मृत्यु आ 'हेडीस' ", अर्थात्, "मृत्यु आ मरल सभक वास-स्थान", तहिना पद 14 मे सेहो। **21:6** "अल्फा और ओमेगा"—यूनानी वर्णमाला मे पहिल और अन्तिम अक्षर

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

नगर परमेश्वर लग सँ स्वर्ग सँ उतरि रहल छल। 11ओ परमेश्वरक महिमाक तेज सँ प्रकाशित छल आ बहुमूल्य पाथरक समान, सूर्यकान्त वा आर-पार देखाय वला सीसा जकाँ चमकि रहल छल। 12ओकर चारू कात एक पैघ आ उँचगर छहरदेवाली छल जाहि मे बारहटा फाटक छल आ प्रत्येक फाटक पर एक-एकटा स्वर्गदूत ठाढ़ छलाह। सभ फाटक पर इस्राएलक बारहो कुल मे सँ एक-एक कुलक नाम लिखल छल। 13पूब दिस तीन फाटक, उत्तर दिस तीन फाटक, दक्षिण दिस तीन फाटक आ पश्चिम दिस तीन फाटक छल। 14नगरक छहरदेवाली बारहटा न्योक पाथर पर बनाओल गेल छल जाहि पर बलि-भेँड़ाक बारहो मसीह-दूतक नाम लिखल छल।

15जे स्वर्गदूत हमरा सँ बात कऽ रहल छलाह तिनका लग नगर आ ओकर फाटक सभ आ नगरक छहरदेवाली कैँ नपबाक लेल सोनाक एकटा नापऽ वला लग्गा छलनि। 16नगर चौखूट छल। ओकर लम्बाइ आ चौराइ बराबरि छल। ओ लग्गा सँ नगर कैँ जखन नपलनि तँ ओकर लम्बाइ 800 कोस* भेल। ओकर लम्बाइ, चौराइ आ उँचाइ एके रंग छलैक। 17नगरक छहरदेवाली कैँ जखन नपलनि, तँ ओकर मोटाइ* मनुष्य सभक नापक अनुसार, जे नाप स्वर्गदूत सेहो प्रयोग कयलनि, 144 हाथ भेल। 18नगरक छहरदेवाली सूर्यकान्त पाथर सँ बनल छल, आ नगर शुद्ध सोन सँ बनल छल, जे साफ सीसा जकाँ आर-पार देखाइ दैत छल। 19ओहि नगरक न्यो हर प्रकारक बहुमूल्य पाथर सँ सुसज्जित छल। न्योक पहिल पाथर सूर्यकान्तक, दोसर नीलमक, तेसर गोदन्तीक, चारिम मरकतक, 20पाँचम सुलेमानीक, छठम गोमेदक, सातम स्वर्णमणिक, आठम पेरोजक, नवम पुखराजक, दसम लहसनियांक, एगारहम धूम्रकान्तक आ बारहम चन्द्रकान्तक छल। 21बारहो फाटक बारह मोती सँ बनल छल। प्रत्येक फाटक एक-एकटा मोतीक बनल छल। ओहि नगरक मुख्य सड़क आर-पार देखाय वला सीसा जकाँ शुद्ध सोन सँ बनल छल।

22हम ओहि नगर मे कोनो मन्दिर नहि देखलहुँ, किएक तँ सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर आ बलि-भेँड़ा ओकर मन्दिर छथि। 23नगर मे सूर्य आ चन्द्रमाक प्रकाशक आवश्यकता नहि अछि, किएक तँ परमेश्वरक महिमाक तेज ओकर इजोत होइत अछि आ बलि-भेँड़ा ओकर डिबिया छथि। 24जाति-जातिक लोक सभ नगरक इजोत मे चलत आ पृथ्वीक राजा सभ अपन वैभव कैँ ओहि मे लाओत। 25नगरक फाटक कखनो दिन मे बन्द नहि कयल जायत आ राति ओतऽ होयबे नहि करत। 26ओहि नगर मे जाति-जातिक लोक सभक वैभव आ सम्मान लाओल जायत। 27मुदा कोनो अपवित्र वस्तु आ घृणित काज कयनिहार अथवा झूठ पर आचरण कयनिहार व्यक्ति ओहि नगर मे प्रवेश नहि कऽ पाओत, बल्कि मात्र ओ लोक सभ जिनकर नाम बलि-भेँड़ाक जीवनक पुस्तक मे लिखल छनि।

21:16 मूल मे, “12,000 स्टेडिआ” **21:17** वा “उँचाइ”

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

22 आब ओ स्वर्गदूत हमरा
जीवन-जलक नदी देखौलनि,
जे आर-पार देखाय वला सीसाक समान
साफ छल आ जे परमेश्वर और बलि-
भेँड़ाक सिंहासन सँ निकलि कऽ, 2नगरक
मुख्य सड़कक बीच बाटे बहि रहल छल।
नदीक दूनू कात मे जीवनक गाछ छल जे
साल मे बारह बेर फड़ैत छल—हर मास
मे एक बेर।* ओहि गाछक पात जाति-
जातिक लोक सभ केँ स्वस्थता प्रदान
करबाक लेल छल।

3 ओतऽ आब कोनो सरापित बात नहि
रहत। परमेश्वरक आ बलि-भेँड़ाक सिंहासन
ओहि नगर मे रहत, आ हुनकर सेवक सभ
हुनकर आराधना करथिन। 4ओ सभ हुनकर
मुँह देखथिन आ हुनका सभक कपार पर
हुनकर नाम लिखल रहतनि। 5ओतऽ फेर
कखनो राति नहि होयत। ओकरा सभ केँ
डिबियाक इजोत वा सूर्यक प्रकाशक
आवश्यकता नहि होयतैक, किएक तँ प्रभु
परमेश्वर ओकरा सभक प्रकाश रहथिन,
आ ओ सभ युगानुयुग राज्य करैत रहताह।

6 तकरबाद स्वर्गदूत हमरा कहलनि, “ई
बात सभ सत्य अछि और एहि पर भरोसा
राखल जा सकैत अछि। प्रभु परमेश्वर, जे
अपन प्रवक्ता सभ केँ प्रेरित करैत छथि,
से अपना स्वर्गदूत केँ पठौलनि जाहि सँ
ओ अपना सेवक सभ केँ ओ घटना सभ
देखबथि जे जल्दी होमऽ वला अछि।”

प्रभु यीशु जल्दी आबऽ वला छथि

7 “देखू, हम जल्दिए आबऽ वला छी।
धन्य छथि ओ सभ, जे सभ एहि पुस्तकक
भविष्यवाणीक बात सभ केँ मानैत
छथि।”

8 हम, यूहन्ना, अपने ई बात सभ
देखलहुँ आ सुनलहुँ। ई बात सभ देखि
कऽ आ सुनि कऽ हम एहि बात सभ
केँ देखाबऽ वला स्वर्गदूतक आराधना
करबाक लेल हुनका चरण पर खसि
पड़लहुँ। 9मुदा ओ हमरा कहलनि, “एना
नहि करू! हम तँ अहाँ जकाँ आ अहाँक
भाय सभ, अर्थात्, ओ सभ जे प्रभुक
प्रवक्ता सभ छथि, तिनका सभ जकाँ आ
एहि पुस्तकक बात सभ केँ माननिहार सभ
लोक जकाँ दासे छी। अहाँ परमेश्वरेक
आराधना करू!”

10 ओ हमरा आगाँ कहलनि, “अहाँ
एहि पुस्तकक भविष्यवाणीक बात सभ
केँ गुप्त नहि राखू, किएक तँ समय
लगचिआ गेल अछि। 11जे अन्याय
करैत अछि से अन्याये करैत रहओ,
जे भ्रष्ट अछि से भ्रष्टे बनल रहओ, जे
नीक काज करैत अछि, से नीके करैत
रहओ, आ जे पवित्र अछि से पवित्रे
बनल रहओ।”

12 “देखू, हम जल्दिए आबि रहल छी।
हमरा लग प्रत्येक मनुष्य केँ ओकरा कर्मक
अनुसार देबाक लेल प्रतिफल अछि।
13हम अल्फा आ ओमेगा*, पहिल आ
अन्तिम, शुरुआत आ अन्त छी। 14धन्य
छथि ओ सभ जे अपन वस्त्र केँ धोइत
छथि। हुनका सभ केँ जीवनक गाछक
फल खयबाक और नगर मे जयबाक
लेल फाटक सभ बाटे प्रवेश करबाक
अधिकार भेटतनि। 15मुदा ‘कुकुर’,

22:2 वा, “जीवनक गाछ छल जाहि पर बारह प्रकारक फल फड़ैत छल आ प्रत्येक मास मे फल दैत छल।” **22:13** “अल्फा और ओमेगा”—यूनानी वर्णमाला मे पहिल और अन्तिम अक्षर

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT

जादू-टोना कयनिहार, अनैतिक शारीरिक सम्बन्ध रखनिहार, हत्यारा, मुरुतक पूजा कयनिहार, आ असत्य सँ प्रेम कयनिहार और ओहि पर आचरण कयनिहार बाहरे रहि जायत।

16 "हम, यीशु, स्वयं अपना स्वर्गदूत कें पठौने छी जाहि सँ ओ अहाँ सभ कें एहि बात सभक गवाही देथि, आ अहाँ सभ मण्डली सभ कें दी। हम दाऊद-वंशक मूल छी, दाऊदक श्रेष्ठ वंशज छी, हम भोरक चमकैत तारा छी।"

17 परमेश्वरक आत्मा आ बलि-भेँड़ाक दुल्हिन कहैत छथि, "आउ!" जे सभ सुनैत अछि सेहो सभ कहओ, "आउ!"

जे पियासल होअय, से आबओ। जे चाहैत होअय, से बिनु मूल्य दऽ कऽ जीवन-जल प्राप्त करओ।

18 जे लोक सभ एहि पुस्तकक भविष्यवाणीक बात सभ सुनैत अछि, हम तकरा सभ कें ई चेतावनी दैत छिऐक जे, "जँ केओ एहि मे किछु जोड़त तँ परमेश्वर एहि पुस्तक मे लिखल विपत्ति सभ ओकरा जीवन मे जोड़ि देथिन। **19** और जँ केओ भविष्यवाणीक एहि पुस्तकक बात सभ मे सँ कोनो बात हटा देत, तँ परमेश्वर जीवनक गाछ आ पवित्र नगर, जाहि सभक वर्णन एहि पुस्तक मे कयल गेल, ताहि मे सँ ओकर हिस्सा हटा देथिन।"

20 जे एहि बात सभक गवाही दऽ रहल छथि, से ई कहैत छथि, "हँ, हम जल्दी आबऽ वला छी।"

आमीन! हे प्रभु यीशु, आउ!

21 प्रभु यीशुक कृपा अहाँ सभ गोटे पर* बनल रहय। आमीन।

22:21 किछु हस्तलेख मे एहि तरहेँ लिखल अछि, "प्रभु यीशुक कृपा परमेश्वरक लोक पर"

Message of Life (The New Testament - Maithili) © 2010 The Bible Society of India and WBT